राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण गुरुवार, 13 जनवरी–2022 वर्ष–4,अंक–351 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

स्वामी की टूट के बदले सपा पर संक्रांति के बाद काउंटर अटैक करेगी भाजपा ! चर्चा में कुछ नेताओं के नाम

स्वामी के सपा में जाने की बात कही जा रही है, लेकिन उन्होंने इस बात को खारिज करते हुए दो दिन के इंतजार की बात कही है। इस बीच एक तरफ भाजपा इस टूट को टालने में जुट गई है तो वहीं सपा को भी बड़ा झटका देने की तैयारी है।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में चुनाव से ठीक पहले पालाबदल शुरू हो चुका है। विधायकों से लेकर तमाम नेता एक महीने से पार्टियां बदलने में जुटे हैं, लेकिन मंगलवार को भाजपा के लिए बड़े झटके वाली खबर आई है। योगी सरकार के श्रम मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य ने पद से इस्तीफा दे दिया। इसके अलावा उनके समर्थक 4 अन्य विधायकों ने भी ऐसा ही करने की बात कही है। स्वामी के सपा में जाने की बात कही जा रही है, लेकिन उन्होंने इस बात को खारिज करते हुए दो दिन के इंतजार की बात कही है। इस बीच एक तरफ भाजपा इस टूट को टालने में जुट गई है तो वहीं सपा को भी बड़ा झटका देने की तैयारी है।

सूत्रों के मुताबिक 14 जनवरी यानी मकर संक्रांति के मौके पर या फिर उसके बाद किसी भी दिन भाजपा सपा के कुछ विधायकों को पार्टी में शामिल करा सकती है। सियासी हलकों में इन नामों की जोर-शोर से चर्चा भी हो रही है। इनमें से कई तो ब्राह्मण नेता हैं, जिनकी मदद से अखिलेश यादव बिरादरी को लुभाने की कोशिश में जुटे रहे हैं। यदि ऐसा होता है तो यह सपा के खिलाफ भाजपा की काउंटर स्ट्रेटेजी होगी, जिसके जरिए वह स्वामी प्रसाद एवं अन्य नेताओं की टूट की काट करेगी। खासतौर पर ब्राह्मण नेताओं को पार्टी में शामिल कराकर भाजपा यह संदेश देना चाहेगी कि बिरादरी की नाराजगी का जो नैरेटिव उसके खिलाफ चलाया जा रहा है, वह सही नहीं है। इनमें से एक नेता के तौर पर मनोज पांडेय का भी नाम लिया जा रहा है, जो रायबरेली की ऊंचाहार सीट से विधायक हैं।

ऊंचाहार से बेटे को टिकट न मिलने से गुस्साए स्वामी?

सूत्रों के मुताबिक 14 जनवरी यानी मकर संक्रांति के मौके पर या फिर उसके बाद किसी भी दिन भाजपा सपा के कुछ विधायकों को पार्टी में शामिल करा सकती है। सियासी हलकों में इन नामों की जोर-शोर से चर्चा भी हो रही है। इनमें से कई तो ब्राह्मण नेता हैं, जिनकी मदद से अखिलेश यादव बिरादरी को लुभाने की कोशिश में जुटे रहे हैं।

कहा यह भी जा रहा है कि इस सीट से बेटे को टिकट दिलाने की मांग पूरी न होने पर ही स्वामी प्रसाद ने भाजपा को झटका दिया है। दरअसल ऊंचाहार सीट से स्वामी के बेटे उत्कृष्ट मौर्य पहले भी चुनाव लड़ चुके हैं और सपा के मनोज पांडेय के मुकाबले हार गए थे। इस बार भाजपा किसी और नेता को उतारने की तैयारी में है। ऐसे में इस मांग के पूरी न होने पर स्वामी प्रसाद ने अलग होने का फैसला लिया। दरअसल भाजपा ने ऐलान किया है कि वह इस बार परिवारवाद को महत्व नहीं देगी। यही पॉलिसी स्वामी प्रसाद मौर्य की उम्मीदों पर भारी पड़ रही थी। हालांकि इस बीच स्वामी के बेटे उत्कृष्ट मौर्य ने सफाई दी है। उत्कृष्ट मौर्य अशोक ने कहा, आज भी ऐसा कोई मुद्दा नहीं है कि मेरे पिता मेरे लिए या फिर बहन के लिए टिकट मांग रहे हैं। मेरे पिता और पार्टी तय करेंगे कि मैं चुनाव लडूंगा या फिर विधानसभा चुनाव में कार्यकर्ता के तौर पर काम करूंगा।

स्वामी प्रसाद मौर्य को साधने में जुटी भाजपा, क्या है अहमियत

स्वामी प्रसाद मौर्य का पार्टी छोड़ना कोई नई बात नहीं है। वह हर विधानसभा चुनाव से पहले अमूमन पुराने को छोड़कर नए दल में जाते रहे हैं। लेकिन भाजपा के लिए चिंता की बात यह है कि समाजवादी पार्टी स्वामी की टूट को पिछड़ों की एकता के तौर पर प्रचारित कर सकती है। पूर्वी उत्तर प्रदेश में यादव बिरादरी के बाद मौर्य समाज ऐसा दूसरा वर्ग है, जो ओबीसी तबके में बड़ी हिस्सेदारी रखता है। ऐसे में उनके भाजपा छोड़ने को पिछड़ा बनाम अगड़ा करने की कोशिश सपा की ओर से हो सकती है। यदि चुनाव का नैरेटिव ऐसा रहा तो भाजपा को मुश्किल होगी, जो जाति आधारित राजनीति की बजाय धार्मिक ध्रुवीकरण की राजनीति में यकीन करती है।

कोविड-19 की बूस्टर डोज के लिए आए ऐसा मेसेज या कॉल तो हो जाएं सावधान, वरना खाली हो जाएगा बैंक अकाउंट

नई दिल्ली। सरकार ने 60 वर्ष से अधिक उम्र वाले लोगों के लिए कोविड -19 वैक्सीन की तीसरी खुराक या कहे बूस्टर डोज देना शुरू कर दिया है। ओमिक्रॉन केसेस में अचानक वृद्धि के कारण, लोग बूस्टर डोज प्राप्त करने की जल्दी में हैं और धोखेबाज इससे नए तरह के फ्रॉड को अंजाम दे रहे हैं। लोगों को ठगने के लिए साइबर अपराधी बूस्टर वैक्सीन की जानकारी देने के बहाने लोगों से अहम जानकारियां निकाल रहे हैं और इस जानकारी का उपयोग कर पीड़ित के बैंक खाते से पैसे निकाल रहे हैं।

कैसे हो रहा है कोविड-19 बूस्टर शॉट घोटाला

जालसाज पहले आपको फोन करते हैं और खुद को सरकारी कर्मचारी बताते हैं। ये अपराधी ज्यादातर सीनियर सिटीजन को फोन कर रहे हैं। फिर वे पूछते हैं कि क्या उन्हें डबल टीका लगाया गया है। कुछ मामलों में, कॉलर के पास पहले से ही आपकी सारी जानकारी होती है। वे असली दिखने के लिए आपके नाम, उम्र, पते और अन्य डिटेल्स की पुष्टि भी करते हैं। कभी-कभी धोखेबाज असली दिखने के लिए टीकाकरण की तारीख भी शेयर कर देते हैं। इसके बाद, कॉलर आपसे पूछता है कि क्या आप कोविड-19 वैक्सीन बूस्टर जैब लेने में रुचि रखते हैं और क्या आप इसके लिए स्लॉट बुक करना चाहते हैं। नए डोज के लिए डेट और टाइम देकर, जालसाज मोबाइल पर मिले ओटीपी को देंगे के लिए कहते हैं। यहीं से असली ठगी का काम शुरू होता है। ओटीपी वास्तव में आपके खाते से पैसे निकालने के लिए है। एक बार जब आप उन्हें ओटीपी बता देते हैं, तो आपके बैंक खाते से पैसे ट्रांसफर हो जाते हैं और ठग के अकाउंट में चलते जाते हैं। आपको यह ध्यान रखना चाहिए कि सरकार फोन कॉल के जरिए वैक्सीन स्लॉट बुक नहीं करती है।

दिल्ली-यूपी में छाया रहेगा घना कोहरा, इन राज्यों में बारिश का येलो अलर्ट

नई दिल्ली। पहाड़ी राज्यों में बर्फबारी और मैदानी इलाकों में बारिश से मौसम में बदलाव होता नजर आ रहा है। सोमवार को भारत मौसम विज्ञान विभाग ने कहा कि 14 जनवरी तक पूर्वी और आसपास के मध्य भारत में तेज बारिश और गरज के साथ बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग की मानें तो अगले कुछ दिनों के दौरान उत्तर पश्चिम भारत के कुछ हिस्सों में घने कोहरे और शीत लहर की स्थिति की भी बनी रहेगी। स्काईमेटवेटर के मुताबिक, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, तेलंगाना और पूर्वोत्तर भारत के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश के साथ एक या दो जगहों पर तेज बारिश हो सकती है। पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर

प्रदेश और बिहार के कुछ हिस्सों में मध्यम से घना कोहरा संभव है। जबकि मौसम विभाग ने बिहार में येलो अलर्ट जारी करते हुए कहा है कि 10 जनवरी से 14 जनवरी के बीच बारिश होती रहेगी। राज्य के 13 जिलों में बारिश होगी। इसके चलते बिहार पर ठंड और बारिश की दोहरी मार पड़ने जा रही है। वहीं, राजधानी दिल्ली में आज का न्यूनतम तापमान 8 डिग्री सेल्सियस रह सकता है, जबकि अधिकतम तापमान 19 डिग्री तक जाने की संभावना है। राजधानी में घना कोहरा छाया रहेगा।

ओमिक्रॉन से सब होकर रहेंगे संक्रमित, बूस्टर खुराक से नहीं रुकेगा; सरकारी एक्सपर्ट का दावा

नई दिल्ली। शीर्ष सरकारी एक्सपर्ट का कहना है कि कोरोना के ओमिक्रॉन वैरिएंट को रोकना लगभग असंभव है और आखिरकार यह पूरी दुनिया को संक्रमित कर के ही रहेगा। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च यानी आईसीएमआर से जुड़े डॉक्टर जयप्रकाश मुलिईल ने बताया है कि ओमिक्रॉन वैरिएंट को फैलने से कोरोना वैक्सीन की बूस्टर डोज भी नहीं रोक सकती है। आईसीएमआर के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एपिडेमियोलॉजी की साइंटिफिक एडवाइजरी कमेटी के चेयरपर्सन डॉक्टर जयप्रकाशन ने समाचार चैनल एनडीटीवी से बातचीत के दौरान यह कहा कि अब कोरोना खतरनाक नहीं है क्योंकि इसका नया स्ट्रेन कमजोर

है और अस्पताल में भर्ती होने की भी वैसी जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि अब यह ऐसी बीमारी है जिससे हम निपट सकते हैं। यह डेल्टा की तुलना में काफी माइल्ड है और इसे रोकना व्यावहारिक तौर पर असंभव है।

डॉक्टर जयप्रकाश ने कहा कि इस संक्रमण से शरीर में आने वाली इम्यूनिटी जीवन भर रहेगी और यही वजह है कि बाकी देशों की तरह भारत इससे बुरी तरह प्रभावित नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि जब वैक्सीन आई भी नहीं थी, तभी भारत की 85 फीसदी आबादी संक्रमित हो चुकी थी और इसलिए वैक्सीन की पहली खुराक ही बूस्टर डोज थी।

हरिद्वार धर्म संसद के खिलाफ स्ट में आज सुनवाई, कपिल सिब्बल ने डाली थी अर्जी

डॉक्टर जयप्रकाश ने यह भी कहा कि वैक्सीन की बूस्टर खुराक महामारी की प्राकृतिक प्रगति को नहीं रोक सकती है। एसिम्टोमैटिक मरीजों के निकट संपर्क में आने वालों की जांच को गैर जरूरी बताते हुए डॉक्टर जयप्रकाश कहते हैं कि वायरस सिर्फ दो दिनों में ही दोगुना संक्रमण फैला रहा है। ऐसे में यदि किसी शख्स की जांच में वह संक्रमित पाया भी जाता है तो रिपोर्ट आने तक वह कई लोगों को संक्रमण फैला चुका होगा उन्होंने कहा कि हम में से अधिकांश लोगों को यह नहीं पता कि हम संक्रमित हो चुके हैं। डॉक्टर के मुताबिक, संभवतः 80 फीसदी से ज्यादा लोगों को तो यह पता ही नहीं है कि वे कोरोना संक्रमित हैं।

बीजेपी मुख्यालय में भी हुआ कोरोना विस्फोट, स्टाफ के 42 लोग निकले पॉजिटिव

नई दिल्ली। देश में एक बार फिर से कोरोना का कहर जारी है। पिछले कई दिनों से कोरोना के नए मामलों की संख्या एक लाख से भी पार हो रही है। इस बीच बीजेपी स्टाफ़ और दफ्तर में तैनात सुरक्षा बल के 42 लोग भी कोरोना की चपेट में आ गए है। बता दें कि पांच राज्यों के चुनाव और उसको लेकर हो रही बैठकों को देखते हुए वहां के आफिस के कर्मचारी और सुरक्षा बल के लोगो का कोविड टेस्ट करवाया गया था, जिनमे 42 लोग कोरोना पॉजिटिव पाए गए है। देश में कोरोना संक्रमण की बात करें तो पिछले 24 घंटे में देश में कोविड के 1,94,720 नए केस सामने आए हैं, जो कल की तुलना में 15.9 प्रतिशत अधिक है. देश में कोरोना की संक्रमण दर 11.05

फीसदी हो गई है। नए वैरिएंट की बात करें तो देश में ओमिक्रॉन के मामले 4868 हो गए हैं। पिछले 24 घंटे में कोरोना के सबसे अधिक मामले दर्ज करने वाले टॉप के 5 राज्यों में महाराष्ट्र सबसे ऊपर है। यहां कोरोना के 34,424 नए मामले सामने आए हैं, इसके बाद दिल्ली में 21,259 मामले, पश्चिम बंगाल में 21,098, तमिलनाडु में 15,379 और कर्नाटक में 14,473 नए मामले सामने आए हैं।

तीन मंजिला घर, छत पर स्वीमिंग पूल...कांस्टेबल की 1.7 करोड़ की संपत्ति देख विजिलेंस टीम के उड़े होश

भुवनेश्वर। ओडिशा पुलिस के एक कांस्टेबल की बेहिसाहब संपत्ति का खुलासा हुआ है। उसने अपनी तीन मंजिला घर की छत पर स्वीमिंग पूल तक बनवा रखा था। जब घर पर निगरानी विभाग की रेड पड़ी तो तब आरोपी जवान मौके से फरार हो गया। मामला मयूरभंज जिले के बारीपाड़ा शहर का है। निगरानी विभाग को सूचना मिली थी कि इस कांस्टेबल ने अज्ञात स्त्रोतों से अकूत संपत्ति जुटा ली है। बारीपाड़ा शहर पुलिस स्टेशन के इंस्पेक्टर बीरेंद्र सेनापति ने बताया कि इसी थाने के कांस्टेबल निहार रंजन दंडपत की प्रॉपर्टी पर जब छापेमारी करने विजिलेंस की टीम पहुंची तब वह अपने घर की छत से कूदकर फरार हो गया। विजिलेंस अधिकारियों की 7 टीम ने कांस्टेबल के विभिन्न ठिकानों पर छापेमारी की थी। इस टीम में 9 डीएसपी, 5 इंस्पेक्टर और 5 असिस्टेंड सब-इंस्पेक्टर शामिल थे। कांस्टेबल के सरकारी आवास, उसके निजी आवास तथा उसके माता-पिता के घर समेत कुल 7 ठिकानों पर छापेमारी की गई थी। निगरानी विभाग के

अधिकारियों ने बताया कि इस छापेमारी में 1.27 करोड़ रुपए की संपत्ति का पता चला है।

इसमें एक तीन मंजिला इमारत भी शामिल है। इसके अलावा मयूरभंज जिले में 2 प्लॉट, 2 दोपहिया वाहन, कम्प्यूटर से जुड़े सामान, 13 लाख रुपए और सोना-चांदी के जेवरात शामिल हैं। घर पर छापेमारी के दौरान यह भी पता चला कि वो एक गैस एजेंसी चला रहा था जो उसकी पत्नी पिंकी दंडपत के नाम से है।

पिछले साल अक्टूबर के महीने में भुवनेश्वर में एक अन्य पुलिस कांस्टेबल के पास भी अकूत संपत्ति का पता चला था। यह भी खुलासा हुआ था कि उसने मामूली सरकारी क्वार्टर को एक आलीशान बंगले में तब्दील कर दिया था। उसने अवैध तरीके से यहां निर्माण कराया था। इसमें 8 नए कमरे बनाए गए थे। जिसमें 3 बेडरूम और 5 अन्य कमरे थे। पुलिस कांस्टेबल प्रसन्ना बहेरा को अवैध बार चलाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। उसने अपने दो कमरे के क्वार्टर को एक आलीशान बंगले में तब्दील कर दिया था। यह भी पता चला था कि वो भुवनेश्वर में 18000 स्क्वायर फीट में चार पहिया वाहन का शोरूम खोला था। इसकी कीमत 4 करोड़ रुपए आंकी गई थी।

कर्नाटक के सरकारी कॉलेज में हिजाब पहनने पर लगा प्रतिबंध, भगवा शॉल ओढ़ने से भी मनाही

बेंगलुरु। कर्नाटक के चिक्कमगलुरु जिले के बालागडी फर्स्ट ग्रेड कॉलेज के छात्रों के बीच गतिरोध संस्थान में एक बैठक के बाद समाप्त हो गया। आपको बता दें कि यहां छात्रों का एक समूह हिजाब पहनकर आने वाली मुस्लिम सहपाठियों का विरोध करने के लिए भगवा शॉल पहनकर कॉलेज आया था। इसके बाद विवाद बढ़ गया। मंगलवार को अभिभावकों और प्रबंधन के बीच हुई बैठक में यह फैसला लिया गया कि मुस्लिम छात्राएं हिजाब नहीं पहनेंगी और हिंदू छात्रों को भी ड्रेस के साथ भगवा शॉल के इस्तेमाल की अनुमति नहीं होगी। कथित तौर पर हिजाब पहनकर कक्षाओं में भाग लेने वाली मुस्लिम लड़कियों के विरोध में छात्रों के एक वर्ग के भगवा स्कार्फ पहनकर कॉलेज आने के बाद सरकारी डिग्री कॉलेज का प्रबंधन मुश्किल में आ गया। विवाद शुरू हुआ तो कॉलेज ने मुस्लिम छात्राओं से हिजाब नहीं पहनने का आदेश दिया। हालांकि बाद में आदेश वापस ले लिया। इसके बाद छात्रों के एक समूह ने शॉल पहनकर विरोध करना शुरू कर दिया।

छात्रों ने आरोप लगाया कि तीन साल पहले भी इसी तरह की घटना हुई थी। उस समय यह तय किया गया था कि कोई भी हिजाब पहनकर कॉलेज में न आए, लेकिन पिछले कुछ दिनों

से कुछ महिलाएं इसे पहनकर कॉलेज आ रही हैं। हालांकि, जब नियम तोड़े गए तो उन्होंने भगवा शॉल पहनने का फैसला किया।

प्रिंसिपल अनंत मूर्ति ने कहा कि मुस्लिम छात्रों को कक्षाओं में घूंघट पहनने की अनुमति होगी। उन्होंने बैठक में माता-पिता से कहा कि 2018 में भी छात्रों को घूंघट पहनने की अनुमति देने के लिए इसी तरह का निर्णय लिया गया था और यह जारी रहेगा। उन्होंने आगे कहा कि कॉलेज के अधिकारी यह देखने के लिए सख्त कदम उठाएंगे कि छात्र परिसर में अनुशासन का उल्लंघन न करें और नियमों का उल्लंघन करने वाले को स्थानांतरण प्रमाण पत्र जारी किया जाएगा।

कुछ छात्रों को हिजाब पहनने की अनुमति देने के लिए पिछले सप्ताह छात्रों ने कक्षाओं का बहिष्कार करके विरोध प्रदर्शन किया था। छात्रों ने कहा कि ड्रेस के साथ हिजाब पहनने वाले कुछ छात्रों द्वारा वर्दी के मानदंडों का उल्लंघन किया गया था। आंदोलनकारी छात्रों की मांग है कि अगर उन्हें हिजाब पहनने की अनुमति दी जाती है, तो उन्हें भी भगवा स्कार्फ और शॉल के साथ आने की अनुमति दी जानी चाहिए।

यह घटना उन दिनों की है जब उडुपी जिले में कॉलेज के अधिकारियों ने छह छात्रों को हिजाब पहनने के लिए कक्षाओं में प्रवेश से वंचित कर दिया था। शनिवार को इन छात्रों के अभिभावकों ने कार्यकर्ताओं के साथ तीन दिनों तक छात्रों को कक्षा के अंदर नहीं जाने देने के लिए अधिकारियों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।

ड्रेस कोड को लेकर कक्षा में नहीं जाने के अलावा, छात्रों ने यह भी शिकायत की कि उन्हें उर्दू, अरबी और बेरी भाषाओं में बात करने की अनुमति नहीं दी जा रही है। विरोध में तीन दिन तक छात्राएं कक्षा के बाहर खड़ी रहीं। छात्रों ने दावा किया कि हालांकि उनके माता-पिता ने बातचीत के लिए प्रिंसिपल रुद्र गौड़ा से संपर्क किया, लेकिन उन्होंने इस मुद्दे पर चर्चा करने से इनकार कर दिया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार

सत्य को हजार तरीकों से बताया जा सकता है, फिर भी हर एक सत्य ही होगा। - स्वामी विवेकानंद

संपादकीय

पाबंदियों का असर

कोरोना संक्रमितों की तेजी से बढ़ती संख्या और ओमीक्रोन वेरिएंट के विस्तार से आशंकित राज्य सरकारें एक बार फिर आंशिक लॉकडाउन की ओर लौट चली हैं। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में तो कई पाबंदियां पहले से ही लागू हैं, पर दिल्ली सरकार ने अब और सख्ती बरतते हुए सभी निजी दफ्तरों को भौतिक रूप से बंद करने का फैसला किया है, रेस्तरां, होटलों में बैठकर खाने पर भी रोक लगा दी गई है। वैसे तो, एहतियात बरतने के किसी भी कदम का स्वागत ही किया जाएगा, लेकिन सरकारों को यह भी ख्याल रखना होगा कि उनके किसी कदम की अनिवार्यता और उसके असर से गहरी सामाजिक विसंगति न पैदा होने पाए। दफ्तरों में कर्मचारियों की उपस्थिति को पूरी तरह रोकने से कोविड संक्रमण को काबू में करने में कितना फर्क पड़ा, इसका कोई ठोस अध्ययन अब तक हमारे सामने नहीं आया है, अलबत्ता, ऐसे आंकड़े जरूर हमारे सामने हैं, जो बताते हैं कि पिछले लॉकडाउन ने कितने निम्न-मध्यवर्गीय परिवारों को फिर से गरीबी की खाई में धकेल दिया और बेरोजगारी देश में किस स्तर पर पहुंची! इसमें तो कोई दोराय हो ही नहीं सकती कि बात जान बचाने की हो, तब गरीबी की चिंता प्राथमिकता सूची में उसके बाद ही रहेगी, मगर विडंबना यह है कि गरीबी की देर तक अनदेखी भी अंततः जानलेवा होती है। पिछले दो साल में देश का विशाल तबका आर्थिक तंगी झेलने को अभिशप्त रहा। यकीनन, सरकार ने अपनी कल्याणकारी भूमिका में गरीबों तक अनाज पहुंचाने के उपक्रम किए हैं, मगर जिंदगी की जरूरतें सिर्फ पेट भरने तक महदूद नहीं हैं। इसके आगे की मांगों के लिए धन चाहिए और जब आर्थिक गतिविधियां ठप होती हैं, तब सबसे ज्यादा मार दिहाड़ी मजदूरों या सबसे कम पगार वाले मुलाजिमों की जिंदगी पर पड़ती है। इसलिए सरकारों को उन्हें ध्यान में रखते हुए ही फैसले करने चाहिए। पिछले एक साल में भारत ने टीकाकरण के मामले में एक लंबा सफर तय किया है, हालांकि विशाल आबादी के कारण इसे अब भी मीलों की दूरी तय करनी है। कहने की आवश्यकता नहीं कि नई लहर से निपटने के लिए देश के अस्पताल कहीं बेहतर स्थिति में होंगे। सरकार ने इस दौरान स्वास्थ्य क्षेत्र को अधिक आर्थिक संसाधन भी मुहैया कराए हैं। फिर सरकार के ही आंकड़े बता रहे हैं कि इस बार अस्पताल में भर्ती कराने की आवश्यकता पांच से दस प्रतिशत मामलों में पड़ रही है, जबकि पिछली लहर में 20 से 23 प्रतिशत मरीजों को अस्पतालों की जरूरत पड़ी थी। ऐसे में, अधिक व्यावहारिक कदम उठाने की जरूरत है। केंद्र व राज्य सरकारों और महामारी नियंत्रण से जुड़ी सर्वोच्च नियामक संस्था को इस बात पर गौर करना चाहिए कि एहतियाती कदमों की रूपरेखा तय करते हुए उन वर्गों के आर्थिक हितों की रक्षा हो सके, जो रोजगार के लिहाज से सबसे नाजुक स्थिति में हैं। ऐसे लोगों में टीकाकरण को अधिक गति देने की दरकार है। एक तरफ, हम बूस्टर डोज देने की शुरुआत कर चुके हैं और दूसरी तरफ करोड़ों लोग अब भी पहले टीके से ही दूर हैं। डब्ल्यूएचओ बार-बार कह चुका है कि महामारी कल ही खत्म नहीं होने जा रही, तो फिर हमें भी इस लिहाज से एक दीर्घकालिक रणनीति अपनाने की जरूरत है, ताकि कोई भी फैसला किसी के साथ निर्मम होने का एहसास नहीं कराए।

वर्चुअल चुनाव प्रचार के लिए कितने तैयार राजनीतिक दल?

- कमलेश पांडे

कोरोना की चुनौतियां और ओमिक्रॉन के बढ़ते खतरे के बीच केंद्रीय चुनाव आयोग ने देश के पांच राज्यों में आगामी 10 फरवरी से 7 मार्च के बीच सात चरणों में होने वाले विधानसभा चुनावों की क्रमशः 10, 14, 20, 23 व 27 फरवरी एवं 3 व 7 मार्च की तारीखों का ऐलान कर दिया है। लगे हाथ ही उसने चुनाव प्रचार के लिए नई गाइड लाइंस भी तय कर दी है, जिससे इन सभी राज्यों में डिजिटल और वर्चुअल चुनाव प्रचार की उम्मीदें जग गई हैं। हालांकि, इस पर निर्णायक निर्णय 15 जनवरी को कोविड समीक्षा के बाद आएगा। लेकिन 15 जनवरी तक सभी राजनीतिक दलों को डिजिटल व वर्चुअल चुनाव प्रचार पर ज्यादा निर्भर रहना होगा। ऐसे में यह सवाल उठना लाजिमी है कि क्या राजनीतिक दल इसके लिए पूरी तरह से तैयार हैं? और यदि हां, तो क्या सभी मतदाताओं तक उनकी डिजिटल और वर्चुअल माध्यम से पहुंच संभव है! क्या सभी विधानसभा क्षेत्रों में डिजिटल संसाधन उपलब्ध हैं, जिसका फायदा निर्दलीय उम्मीदवार भी आयोग द्वारा तय चुनाव खर्च सीमा के अंदर उठा सकें। सवाल यह भी है कि भारत में मीडिया और इंटरनेट का जाल कितना बड़ा है और राजनीति के डिजिटलीकरण से कौन सी आबादी चुनावी अभियानों से जुड़ पाएगी और कौन सी नहीं? क्योंकि भारत में एक तरफ डिजिटल क्रांति है तो दूसरी तरफ गरीबी, अशिक्षा के साथ ही दूरस्थ इलाकों तक कई तरह की डिजिटल सुविधाओं व अन्य संसाधनों की समुचित पहुंच नहीं है, जिस पर गौर किये बिना शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष चुनाव की गारंटी नहीं दी जा सकती है। वहीं, समाजवादी पार्टी के मुखिया और यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने डिजिटल और वर्चुअल माध्यम से चुनाव प्रचार को लेकर हुए कहा है कि जिन वर्कर के पास संसाधन नहीं है वो वर्चुअल रैली कैसे करेंगे। जो छोटी पार्टियां हैं उन्हें कैसे स्पेस मिलेगा। इसलिए डिजिटल प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराने में चुनाव आयोग हमारी मदद करे। उन्होंने आयोग से मांग की है कि विपक्षी पार्टियों व छोटे छोटे दलों को सरकारी प्रचार माध्यमों यानी आकाशवाणी और दूरदर्शन पर सत्ताधारी भाजपा व अन्य दलों से ज्यादा समय दिया जाए। स्वाभाविक है कि आयोग इस पर भी गौर करेगा और देर-सबेर कोई माकूल व्यवस्था देगा, ताकि उसकी साख बची रहे। खैर, जब चुनाव आयोग ने फैसला किया है तो स्वाभाविक है कि उसने राजनीतिक दलों व अधीनस्थ प्रशासनिक अधिकारियों से हरेक संभावित पहलुओं का आकलन करके ही उनकी भी रजामंदी अवश्य ली ही होगी, अन्यथा इतना बड़ा फैसला वह खुद तो नहीं ले सकता है। क्योंकि केंद्रीय चुनाव आयोग ने पूरी चुनावी प्रक्रिया की तिथियों को घोषित करते हुए आगामी 15 जनवरी तक के लिए सभी तरह के रोड शो, साइकिल रैली, पदयात्रा और जनसभाओं पर स्पष्ट रूप से रोक लगा दी है। साथ ही उसने सभी राजनीतिक दलों से अपील की है कि वे जनसंपर्क के लिए ज्यादा से ज्यादा डिजिटल व वर्चुअल साधनों का ही प्रयोग करें। इसके अलावा, डोर टू डोर कैम्पेन में भी अधिकतम पांच लोग ही शामिल हों। वहीं, आयोग ने यह भी साफ कर दिया है कि 15 जनवरी को वह देश में कोरोना संक्रमण की स्थिति का जायजा लेने के बाद ही चुनाव प्रचार के लिए नई गाइड लाइंस जारी करेगा। यानी कि चुनावी रैलियों व नुक्कड़ सभाओं आदि पर लगाए गए प्रतिबंध पर छूट मिलेगी या वह जारी रहेगी। कहने का तातपर्य यह कि यदि कोरोना संक्रमण के मामलों में उस दिन तक गिरावट नहीं आई तो जनसंपर्क के लिए ज्यादा से ज्यादा डिजिटल व वर्चुअल चुनाव प्रचार के साधनों का ही प्रयोग करने का विकल्प राजनीतिक दलों के पास बचेगा। बता दें कि मुख्य चुनाव आयुक्त सुशील चंद्रा ने स्पष्ट कहा है कि कोरोना संक्रमण को देखते हुए चुनाव की प्रक्रिया पूरी करवाना एक चुनौती है। ऐसे में हमने कोविड सुरक्षा नियमों का पालन करते हुए चुनाव कराने का निर्णय लिया है। हमारी कोशिश है कि मतदाता अपनी सुविधा और पूरी सुरक्षा के साथ मतदान कर सकें। उन्होंने साफ कहा है कि कोरोना वायरस के बीच चुनाव कराना चुनौतीपूर्ण है, लेकिन लेकिन यह हमारा कर्तव्य है। हमने चुनाव की तैयारियों की समीक्षा की और यह तय किया कि कोरोना नियमों के साथ चुनाव कराएंगे, क्योंकि पांच राज्यों की विधानसभा का कार्यकाल खत्म होने जा रहा है। इसलिए 690 विधानसभा सीटों पर मतदान होने वाला है। जहां चुनावों में कुल 18.3 करोड़ मतदाता वोट डालेंगे। कोरोना में चुनाव कराना महत्वपूर्ण है। इसके लिए नए प्रोटोकॉल बनाए गए हैं। कुछ तैयारियां भी की गई हैं। हमने इस बार तीन उद्देश्यों पर काम किया है। कोविड फ्री चुनाव, मतदाताओं की सहूलियत और अधिकतम मतदाताओं की भागीदारी। चूंकि हर राज्य की विधानसभा सीट का कार्यकाल पांच साल ही रह सकता है। लिहाजा समय पर चुनाव कराना लोकतांत्रिक शासन सुनिश्चित कराने के लिए जरूरी है। चुनाव ड्यूटी में लगे सभी अधिकारी ऐसे होंगे, जो टीके की दोनों खुराक ले चुके हैं। उन्हें एहतियाती अतिरिक्त खुराक भी दी जा सकेगी। बता दें कि उत्तर प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर में विधानसभा चुनाव के लिए तारीखों का एलान होते ही पांचों राज्यों में आदर्श आचार संहिता यानी मॉडल कोड ऑफ कंडक्ट लागू हो गई है। इन चुनावों की मतगणना 10 मार्च को होगी। इन चुनावों में 2.15 लाख मतदान केंद्र होंगे। हर मतदान केंद्रों पर अधिकतम 1250 वोटर ही होंगे। हर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में एक मतदान केंद्र पूरी तरह से महिला स्टाफ के जिम्मे होगा। 690 निर्वाचन क्षेत्रों में ऐसे 1620 मतदान केंद्र होंगे। चुनाव में धनबल का इस्तेमाल रोका जाएगा। गैरकानूनी पैसे-शराब पर कड़ी नजर रखी जाएगी। सभी एजेंसियों को अलर्ट कर दिया गया है। पैसे के दुरूपयोग पर ज़ीरो टॉलरेंस, गैर कानूनी पैसे और शराब पर नज़र रहेगी। सभी एजेंसियां अलर्ट पर रहेंगी। सभी राजनीतिक दलों के लिये सुविधा एप बनाया गया है। विधानसभा चुनाव के लिये खर्च की सीमा बढ़ायी गई है, जो अधिकतम 40 लाख रुपये कर दी गई है। वहीं, मुख्य चुनाव आयुक्त ने ये भी साफ कर दिया है कि इस बार क्रिमिनल रिकॉर्ड वाले उम्मीदवारों को समाचार पत्रों व टीवी चैनलों पर अपना आपराधिक अभिलेख प्रकाशित करना होगा। साथ ही राजनीतिक दलों को भी ऐसे उम्मीदवारों को टिकट देने के पीछे की वजह बतानी होगी। हालांकि, जीतने की योग्यता वाले तर्क को खारिज कर दिया जाएगा। बता दें कि चुनाव आयोग के ताजा दिशा निर्देशों के मद्देनजर राजनैतिक पार्टियां फेसबुक लाइव से लेकर 3डी रैली तक के 'डिजिटल चुनाव प्रचार' की योजनाओं पर अमल करने जा रही हैं। क्योंकि कोरोना के खतरे ने उन्हें वर्चुअल व डिजिटल रैलियों के लिए मजबूर कर दिया है। इसलिए उनके रणनीतिकारों ने डिजिटल सलाहकारों की मदद से अपनी भावी रैलियों को लेकर चुनावी रणनीति बदल दी है और वे अपने चुनावी वाररूम को वारफुटिंग पर चालू करने में तल्लीनता पूर्वक जुट गए हैं।

सफलता के लिए हो उत्कट इच्छा

सीताराम गुप्ता

हम सब जीवन में सफलता का स्वाद चखना चाहते हैं लेकिन कितने व्यक्ति हैं जो अपने जीवन में अपेक्षित सफलता प्राप्त कर पाते हैं? बहुत कम। वास्तव में अपेक्षित सफलता न मिलने का कारण होता है सफलता के प्रति विश्वास की कमी अथवा सीमित विश्वास। दरअसल, हम अपनी सोच के सकारात्मक परिणाम पर विश्वास ही नहीं कर पाते हैं कि ऐसा संभव हो सकेगा। और यदि हमें कोई सोचने पर विवश कर भी दे तो हमारे विश्वास की एक सीमा अवश्य होती है और किंतु-परंतु जैसे शब्द हमारे मन में आ धमकते हैं और इस प्रकार अविश्वास ही नहीं सीमित विश्वास तथा इनके कारण निरंतर अभ्यास की कमी हमारी सफलता में सबसे बड़ी बाधा बन जाती है। घुन लगा हुआ भीतर से खोखला बीज हो अथवा आधा कटा हुआ बीज, ये अंकुरित होकर पौधे नहीं बन सकते। ऐसे बीज तो मिट्टी में पड़े-पड़े सड़कर ही समाप्त हो जाते हैं। यदि अच्छे बीज हों लेकिन उनके साथ किंतु-परंतु रूपी खर-पतवार उग आए तो भी ये पौधे को पूरी तरह से पनपने नहीं देते। कई बार पौधे तो होते हैं दो-चार लेकिन खर-पतवार इतना अधिक कि पौधों को जमीन से न तो पोषण ही मिल पाता है और न सूर्य की रोशनी ही। यही हमारे विचारों के साथ होता है। या तो हमारे विचार ही अच्छे नहीं होते और यदि विचार अच्छे हों तो किंतु-परंतु रूपी संशय उन्हें विनष्ट कर डालता है। महाभारत के युद्ध में श्रीकृष्ण अर्जुन को यही समझाते हैं कि विवेकहीन और श्रद्धारहित संशयात्मा मनुष्य का पतन हो जाता है। ऐसे संशयात्मा मनुष्य के लिए न यह लोक है, न परलोक है और न सुख ही है। संशय क्या है? संशय है अधूरा ज्ञान अथवा अज्ञान। हम जिस विषय को बिलकुल नहीं समझते उस विषय में संशय पैदा नहीं होता और जिसको भली-भांति समझते हैं उसमें भी संशय पैदा नहीं होता। संशय पैदा होता है अधूरे ज्ञान से और यही अज्ञान है। अज्ञान ज्ञान का अभाव नहीं है। अधूरे ज्ञान को पूरा मान लेना ही अज्ञान है। किसी विषय की गलत जानकारी अज्ञान है। संशय का उत्पन्न होना स्वाभाविक है। अतः संशय उत्पन्न होना हानिकारक नहीं है लेकिन संशय को बनाए रखना और उसे दूर करने की चेष्टा न करना हानिकारक है। संशयग्रस्त मनुष्य को न तो आध्यात्मिक उत्थान के मार्ग में ही कोई लाभ होता है और न ही वह जीवन में भौतिक सफलता ही प्राप्त कर पाता है। 'जाकी रही भावना जैसी' इसी सिद्धांत के अनुरूप, अपने विश्वास के अनुरूप ही हम सफलता प्राप्त कर पाते हैं। यही बात बाइबिल में कही गयी है कि आपके विश्वास के अनुसार ही आप कार्य करते हैं। विलियम जेम्स ने कहा है कि हमारी शारीरिक एवं मानसिक शक्तियां असीमित, अपूर्व तथा अकल्पनीय हैं, जिनका हम प्रयोग ही नहीं करते या सीमित प्रयोग कर सीमित फल पाते हैं। आज हम अस्वस्थ, अशांत, असमृद्ध, असंतुलित अथवा अप्रभावशाली व्यक्तित्व के स्वामी चाहे न हों लेकिन अपने सीमित विश्वास अथवा अपने विश्वास की शक्ति का उपयोग न कर पाने के कारण कहीं न कहीं अल्पस्वस्थ, अल्पशांत, अल्पसमृद्ध, अल्पसंतुलित तथा अल्प प्रभावशाली व्यक्तित्व के स्वामी अवश्य हैं अन्यथा आज हम अपने सर्वांगीण विकास की सीढ़ी के जिस डंडे पर खड़े हैं उससे अगले डंडों पर क्यों नहीं? ये हमारा सीमित विश्वास या विश्वास की कमी ही तो है जिसके कारण हम सबसे पहले पहुंचने पर भी अगली पंक्ति में सर्वोत्तम स्थान पर बैठने की अपेक्षा पीछे की ओर किसी उपेक्षित-सी सीट पर जा बैठते हैं। संभवतः आपको पता नहीं है कि विश्व की सारी समृद्धि, सारा ऐश्वर्य सिर्फ आपके लिए है। कहने का तात्पर्य यही है कि विश्व की सारी ताकतें आपके कदमों में सर झुकाने को बेताब हैं लेकिन आप हैं कि मन में ख्वाहिश ही पैदा नहीं करते। मन में ख्वाहिश पैदा कीजिए और अपने मन की शक्ति पर पूर्ण विश्वास कीजिए और फिर देखिए सफलता की हर सीढ़ी कैसे आपके लिए छोटी पड़ जाती है। एक मुकम्मल प्यास एक उत्कट इच्छा तो मन में पैदा कीजिए उसकी पूर्ति का प्रबंध भी अवश्य हो जाएगा। विलियम जेम्स के अनुसार, इस शताब्दी का सबसे बड़ा आविष्कार है कि मनुष्य अपने विचारों को बदल कर जीवन सुखमय एवं सफल बना सकता है। वास्तविकता तो यही है कि मनुष्य को सफल होने के लिए अधिक शारीरिक श्रम करने की आवश्यकता ही नहीं। सकारात्मक विचार जीवन में क्रांति लाने में पूर्णतः सक्षम होते हैं। सफलता के विचार ही उसको दुनिया में सबसे ऊपर ले जा सकते हैं। आवश्यकता है तो बस कुछ करने के विषय में सोचने और उसकी सफलता की कामना करने की। जीवन के किसी भी क्षेत्र में ऊंचाई पर पहुंचना उतना ही आसान है जितना किसी हिल स्टेशन पर पहुंचना। बड़े भाग्य की बात है कि हमारी मंजिल हमें पुकार रही है, कहीं बहुत ही नजदीक है लेकिन बड़े अफसोस की बात है कि हम फिर भी उसकी तलाश नहीं कर रहे हैं। पहले तो कभी मंजिल हमारे इतने पास न थी लेकिन अब तो मंज़िल सामने है उसे छू लीजिए। अपने विचारों की शक्ति को पहचान कर उस पर विश्वास करके अपने जीवन को सफल बना लीजिए।

आज के कार्टून

देव दर्शन

श्रीराम शर्मा आचार्य

दर्शन शब्द का अर्थ जहां देखना है वहां उसका एक अर्थ विवेचना या विचारणा भी है। अनेक लोग देव प्रतिमाओं, तीर्थ स्थानों, संत एवं सत्पुरुषों के दर्शन करने आया करते हैं, वे इसमें पुण्य लाभ का विश्वास करते हैं। दर्शन मात्र से स्वर्ग, मोक्ष, सुख, शान्ति, सम्पत्ति अथवा प्रसिद्धि आदि का लाभ पाने का विश्वास रखने वालों की श्रद्धा को विवेक सम्मत नहीं माना जा सकता। श्रद्धा जहां आत्मा की उन्नति करती है, मन-मस्तिष्क को सुसंस्कृत एवं स्थिर करती है, ईश्वर प्राप्ति के लिए व्यग्र एवं जिज्ञासु बनाती है, वहां मूढ़-श्रद्धा अथवा अंधविश्वास उसे अवास्तविकता के गर्त में गिरा देती है। आज धर्म के नाम पर जो कुछ देखा जाता है, उसका बहुत कुछ उत्तरदायित्व उन अंध श्रद्धालुओं पर ही है, जो धर्म के सत्य स्वरूप एवं कर्म की विधि और उसका परिणाम नहीं जानते। यही कारण है कि शास्त्रों में जहां श्रद्धा की प्रशंसा की गई, वहीं अंध-श्रद्धा की निंदा। लाखों-करोड़ों लोग प्रति वर्ष तीथरे और तीर्थ पुरु षों के दर्शन करने देश के कोने-कोने से आते-जाते हैं। किन्तु क्या कहा जा सकता है कि इन लोगों को वह लाभ होता होगा जो उन्हें अभीष्ट रहता है। निश्चय ही नहीं। उन्हें इस बाह्य दर्शन द्वारा एक भ्रामक आत्म-तुष्टि के अतिरिक्त और कुछ नहीं मिल सकता। केवल देव प्रतिमा, देव स्थान अथवा देवपुरु ष को देखने मात्र से, हाथ जोड़ने, दण्डवत प्रणाम करने, पैसा अथवा पूजा प्रसाद चढ़ा देने भर से ही किसी के पापों का क्षरण हो जाता, दुःख दारिद्रय दूर हो जाता और पुण्य, परमार्थ, स्वर्ग मुक्ति आदि मिल सकते और जीवन में तेजस्विता, देवत्व अथवा निर्द्वन्दता का समावेश हो सकता, तो दिन-रात देव प्रतिमाओं की परिचर्या करने वाले पुजारियों, मन्दिरों की सफाई-देखभाल करने वाले सेवकों को ये सभी लाभ अनायास ही मिल जाते। सारे दुख द्वंद्व दूर हो जाते। वे सुख-शान्तिपूर्ण स्वर्गीय जीवन के अधिकारी बन जाते किन्तु ऐसा देखने में नहीं आता। मंदिरों के सेवक और प्रतिमाओं के पुजारी भी अन्य सामान्य जनों की भांति ही अविशेष जीवन में पड़े-पड़े दुखों और शोक-संतापों को सहते रहते हैं। उनके वक्त व जीवन में रंचमात्र भी परिवर्तन नहीं होता, यद्यपि उनकी पूरी जिंदगी देव प्रतिमाओं के सान्निध्य एवं देवस्थापन करने में बीत जाती है।

सू-दोकू नवताल -2018

3	8				1			6
2	4	7			3			5
		6	8	7		4	9	
	9	3		4	6		8	7
6	5		7	3		1	2	
	2	4		6	5	7		
7			3			9	5	8
9			1				4	2

सू-दोकू -2017 का हल

9	6	2	5	8	3	1	4	7
5	3	1	4	7	9	8	6	2
4	7	8	2	1	6	9	5	3
8	2	4	3	9	7	5	1	6
3	5	6	1	4	2	7	8	9
1	9	7	6	5	8	2	3	4
2	8	3	9	6	1	4	7	5
6	1	5	7	2	4	3	9	8
7	4	9	8	3	5	6	2	1

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली- 2018

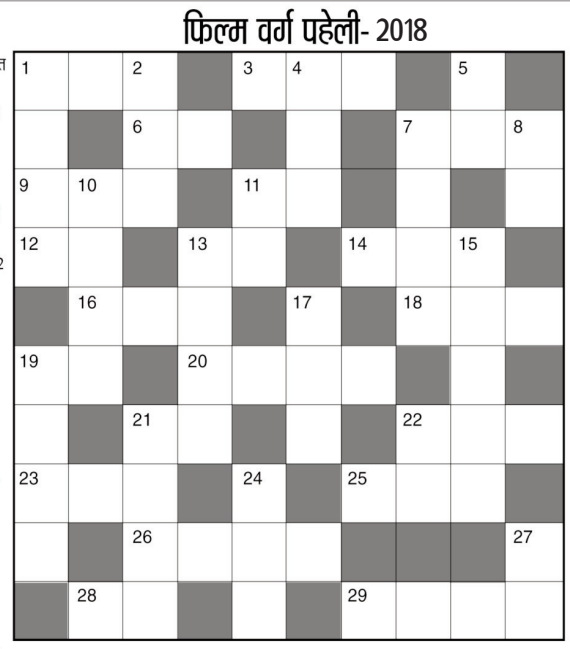

बायें से दायें:-

1. 'लागा रे जल लागा' गीत वाली अमिताभ, शाहरुख खान, सुनील शेट्टी, रानी मुखर्जी, जूही चावला अभिनीत फिल्म-3
3. मनोज बाजपेयी, रेखा, करिश्मा की 'मेहंदी है रचने वाली' गीत वाली फिल्म-3
6. 'तू मेरे सामने' गीत वाली सनी देओल, शाहरुख खान, जूही चावला की फिल्म-2
8. संजय दत्त, पूजा भट्ट की 'तुम्हें अपना बनाने की कसम' गीत वाली फिल्म-3
9. 'आया है मुझे फिर याद वो' गीत वाली धर्मेन्द्र, शर्मिला टैगोर की फिल्म-3
11. दिलीप कुमार, निम्मी की 'ऐ मेरे दिल कहीं और चल' गीत वाली फिल्म-2
12. 'बंद होठों से जो इक बात' गीत वाली नसीरुद्दीन शाह, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की फिल्म-2
13. नागार्जुन, अमला की 'किस मी हे यू रॉन्ग नंबर' गीत वाली फिल्म-2
14. 'तुम्हारे प्यार में हम' गीत वाली धर्मेन्द्र, संजीव कुमार, आशा पारेख की फिल्म-3
16. आर्यन वैद, सोनाली कुलकर्णी की मकरंद देशपांडे निर्देशित फिल्म-3
18. 'मेरे गाल छुए जो तू' गीत वाली जीतेंद्र, श्रीदेवी की फिल्म-3
19. अमिताभ, शशि कपूर, राखी, परवीन, बिंदिया की 'आते जाते हुए मैं सब पे नजर' गीत वाली फिल्म-2
20. 'ये वादा करो चांद के सामने' गीत वाली प्रदीप कुमार, मधुबाला की फिल्म-4
21. अतिन भल्ला, संदली सिन्हा की 'दिल ने दिल को पुकारा' गीत वाली फिल्म-2
22. अमिताभ बच्चन, जया प्रदा की 'इंतहा हो गई इंतजार की' गीत वाली फिल्म-3
23. 'छोटा बच्चा जानके हमको' गीत वाली इंद्र कुमार, आयशा जुल्का की फिल्म-3
25. अमोल पालेकर, रंजीता की 'जागे जागे नैनों में' गीत वाली फिल्म-3
26. 'लम्हा लम्हा जिंदगी है' गीत वाली समीर दत्तानी, के. के. मेनन, बिपाशा बसु, मिनीषा लांबा की फिल्म-4

ऊपर से नीचे:-

1. 'ये दुनिया एक दुल्हन' गीत वाली फिल्म-4
2. 'हमीं से मोहब्बत हमीं से लड़ाई' गीत वाली दिलीप कुमार, वैजयंतीमाला की फिल्म-3
4. 'सारे शहर में आपसा कोई नहीं' गीत वाली फिल्म-3
5. 'ये जान ले ले रे' गीत वाली संजय दत्त, उर्मिला मातोंडकर की फिल्म-2
8. धर्मेन्द्र, संजीव कुमार, शर्मिला टैगोर की 'अभी क्या सुनोगे सुना तो हंसोगे' गीतवाली फिल्म-4
8. 'शाम भी खूब है पास महबूब है' गीत वाली सनी देओल, सुनील शेट्टी, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-2
10. विनोद मेहरा, रीना राय की 'दिल का तोहफा लाई हूं' गीत वाली फिल्म-4
11. 'क्यूं आंचल हमारा गिरा जा रहा है' गीत वाली अक्षय कुमार, रवीना की फिल्म-2
13. जीतेंद्र, आदित्य पंचोली,जावेद जाफरी, संगीता, एकता की 'आ ये हसीन रात मोहब्बत में' गीत वाली फिल्म-4
15. आमिर खान,जूही,ममता की फिल्म 'बाजी' में मुख्यमंत्री विश्वासराव चौधरी की भूमिका किसने की थी-2,3
18. 'हमें तुम से तुम्हें हमसे शिकायत हो तो' गीत वाली जीतेंद्र, बिस्वजीत, माला सिन्हा, मुमताज की फिल्म-3
19. 'हम बेवफा हर्गिज न थे' गीत वाली फिल्म-4
21. 'बीड़ी जलईले' गीत वाली अजय देवगन, सैफअली, विवेक, करीना, बिपाशा की फिल्म-4
22. यह सुरैया की अंतिम फिल्म थी-2
24. 'आंखों से दिल में उतर कर' गीत वाली फराज खान, मिलिंद गुणाजी, सुमन रंगनाथन की फिल्म-3
28. फिल्म 'सात रंग के सपने' में अरविंद स्वामी के साथ नायिका-2

फिल्म वर्ग पहेली- 2017

ए	त	श	ज		श		स		प्या
ला		जा		श	स्ते	का	प	त्थ	र
न	ज	श	ना		प्या		ने		का
		नी		आ	र	जू		प्या	सा
ल	क्ष्य		क		के		दु		या
की		ध	र्मा	त्मा		मे	ला		
	जो	र			श	श	श		सू
आ	र	ती		सा		ध		स	र
नं	दा		सा	ज	औ	र	आ	वा	ज
द	र	मि	या	न		म	ह	ल	

ई-स्कूटर 'सिंपल वन' की डिलिवरी जून में शुरू होगी

मुंबई (एजेंसी)।

बिजली से चलने वाले दोपहिया वाहन बनाने वाली कंपनी सिंपल एनर्जी जून,2022 से अपने पहले इलेक्ट्रिक स्कूटर 'सिंपल वन' की डिलिवरी शुरु कर देगी। कंपनी ने अगस्त, 2021 में अपने स्कूटर को घरेलू बाजार में उतारा था। कंपनी ने कहा कि उस ई-स्कूटर सिंपल वन के लिए अबतक 30,000 से अधिक बुकिंग मिल चुकी हैं। कंपनी ने पिछले साल 15 अगस्त को 'सिंपल वन' ई-स्कूटर पेश किया था और इसकी कीमत 1.09 लाख रुपये रखी थी। सिंपल एनर्जी ने कहा कि कंपनी जून, 2022 से अपने स्कूटर की डिलिवरी शुरू करने के साथ इलेक्ट्रिक वाहन बाजार में अपनी स्थिति मजबूत करने की तैयारी कर रही है। हम समझते हैं, कि इलेक्ट्रिक वाहन श्रेणी भविष्य है और दोपहिया सबसे अधिक इस्तेमाल वाला वाहन है। यह इलेक्ट्रिक वाहन श्रेणी में बदलाव लाने और प्रीमियम इलेक्ट्रिक समाधान को किफायती बनाने की हमारी योजना का एक हिस्सा है।''

आईएएमएआई ने इंडिया ऐडटेक कंसोर्टियम के गठन की घोषणा की

नई दिल्ली (एजेंसी)।

इंटरनेट एंड मोबाइल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (आईएएमएआई) ने बुधवार को ऐडटेक कंसोर्टियम (आईईसी) के गठन की घोषणा की जिसमें शिक्षा-प्रौद्योगिकी क्षेत्र की बायजू, सिम्प्लीलर्न, अनऐकेडमी, अपग्रेड, वेदांतु समेत अन्य अग्रणी कंपनियां शामिल हैं। आईएएमएआई ने कहा कि सरकार के हाल के परामर्श के मुताबिक आईईसी यह सुनिश्चित करेगा कि प्रत्येक अभ्यर्थी को गुणवत्तापूर्ण एवं किफायती शिक्षा मिल सके। बयान में कहा गया कि संघ के मूल में उपभोक्ता का हित है और ऐडटेक कंपनियों ने प्रतिबद्धता जताई है कि वे साझा आचार संहिता का पालन करेंगी और दो स्तरीय शिकायत निवारण तंत्र की स्थापना कर यह सुनिश्चित करेंगी कि उद्योग का सकारात्मक प्रभाव प्रत्येक पात्र उपभोक्ता तक पहुंचे और साथ ही उनके हितों की रक्षा हो एवं उनके अधिकारों को बढ़ावा मिले। आईएएमएआई के अध्यक्ष शुभो रे ने कहा कि आईएएमएआई और आईईसी के सदस्य ऑनलाइन शैक्षणिक मंचों पर अभ्यर्थियों की सुरक्षा के लिए नैतिक मानकों को सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि इस स्व-नियामक निकाय का गठन छात्रों की सुरक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है जहां अधिक से अधिक छात्र, शिक्षक और अन्य हितधारक ऑनलाइन शिक्षा पारिस्थितिकी तंत्र का हिस्सा बन रहे हैं। बायजू, करियर्स 360, क्लासप्लस, डाउटनट, ग्रेट लर्निंग, हड़प्पा, टाइम्स ऐड्युटेक ऐंड इवेंट्स लिमिटेड, टॉपर, अनऐकेडमी, व्हाइटहैट जूनियर जैसी ऐडटेक क्षेत्र की कई कंपनियां आईईसी से जुड़ी हैं।

एनसीएलएटी ने दूरसंचार विभाग की याचिका का निपटान किया

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने दूरसंचार विभाग द्वारा दायर एक याचिका का निपटान कर दिया। इस याचिका में अनिल अग्रवाल की अगुवाई वाली ट्विन स्टार टेक्नोलॉजीज द्वारा 2,962 करोड़ रुपए में वीडियोकॉन इंडस्ट्रीज के अधिग्रहण सौदे को चुनौती दी गई थी। एनसीएलएटी की दो सदस्यीय पीठ ने कहा कि अपीलीय न्यायाधिकरण पहले ही इसी महीने राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) की मुंबई पीठ के आठ जून के आदेश को खारिज कर चुका है। एनसीएलटी की मुंबई पीठ ने ट्विन स्टार की बोली को मंजूरी दी थी। अपीलीय न्यायाधिकरण ने मुंबई पीठ के आदेश को खारिज कर इस मामले को ऋणदाताओं की समिति (सीओसी) के पास वापस भेज दिया था। एनसीएलएटी ने कहा कि पांच जनवरी को दिए गए फैसले के मद्देनजर संबंधित पक्षों के वकील इस अपील के निपटान के लिए सहमत हैं।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद, सेंसेक्स 61,000 अंक के ऊपर पहुंचा

निफ्टी भी 156 अंक उछला

मुम्बई (एजेंसी)।

मुम्बई शेयर बाजार में बुधवार को भी तेजी रही। सेंसेक्स 533 अंक बढ़कर एक बार फिर 61,000 अंक के ऊपर पहुंच गया। बाजार में यह तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही दिग्गज आईटी कंपनियों विप्रो, इन्फोसिस और टीसीएस के तीसरी तिमाही में बेहतर वित्तीय परिणामों की उम्मीद से आयी है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 533.15 अंक करीब 0.88 फीसदी बढ़कर 61,150.04 अंक पर बंद हुआ था हालांकि कारोबार के दौरान एक समय यह 61,218.19 अंक तक चला गया था। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 156.60 अंक तकरीबन 0.87 फीसदी बढ़कर 18,213.35 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में महिंद्रा एंड महिंद्रा, भारती एयरटेल, रिलायंस इंडस्ट्रीज, इंडसइंड बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और टाटा स्टील प्रमुख रूप से 4.68 फीसदी तक लाभ में रहे।वहीं दूसरी ओर टीसीएस, टाइटन, एचडीएफसी बैंक, टेक महिंद्रा, विप्रो और नेस्ले के शेयर नीचे आये हैं। जानकारों के अनुसार यह तेजी बाजार में तेजड़िये के पूर्ण नियंत्रण को दिखाती है। निवेशक तीन प्रमुख सूचना प्रौद्योगिकी कंपनियों विप्रो, इन्फोसिस और टीसीएस के बेहतर परिणामों की उम्मीद कर रहे हैं। इससे भी बाजार में उत्साह का माहौल है। बीएसई पर महिंद्रा एंड महिंद्रा, भारती एयरटेल, इंडसइंड बैंक, रिलायंस, आईसीआईसीआई बैंक, टाटा स्टील, बजाज फाइनेंस, एनटीपीसी, कोटक बैंक, एचडीएफसी, एसबीआईएन, अल्ट्रा सीमेंट, बजाज फाइनेंस, हिंदुस्तान लीवर आदि शेयरों में तेजी है। वहीं विप्रो, एचडीएफसी बैंक, टेक महिंद्रा, टीसीएस , टाइटन के शेयर गिरे हैं।

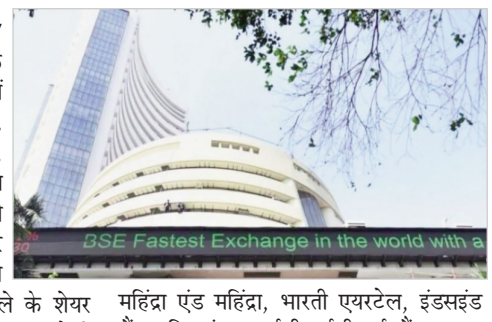

मैक्स लाइफ ने 99.35 प्रतिशत मामलों का निपटान किया

मुंबई (एजेंसी)।

निजी क्षेत्र की बीमा कंपनी मैक्स लाइफ इंश्योरेंस ने वित्त वर्ष 2020-21 में मृत्यु के 99 फीसदी से अधिक मामलों में दावों का निपटान किया है।दावों के एवज में कंपनी ने 885 करोड़ रुपये से अधिक राशि का भुगतान किया। कंपनी ने वित्तवर्ष 2020-21 में मृत्यु के 19,922 दावों के बदले 885.57 करोड़ रुपये का भुगतान किया और इस तरह कंपनी के लिए मृत्यु के दावों का भुगतान अनुपात 99.35 फीसदी है। इसमें बताया गया कि बीते दो वित्त वर्ष से दावा भुगतान अनुपात 99 प्रतिशत के मानक से अधिक है।

कोटक महिंद्रा बैंक ने सावधि जमा की ब्याज दरों में किया बदलाव

मुंबई (एजेंसी)।

कोटक महिंद्रा बैंक ने सावधि जमा पर ब्याज दर में बदलाव किया है। नवीनतम संशोधन के बाद, 7 से 30 दिनों, 31 से 90 दिनों और 91 से 120 दिनों में मैचे योर होने वाली एफडी के लिए, कोटक महिंद्रा बैंक क्रमशः 2.5 फीसदी, 2.75 फीसदी और 3 फीसदी की ब्याज दर प्रदान करता है। बैंक ने पिछली बार एफडी दरों में 30 सितंबर 2021 को बदलाव किया था। 121-179 दिनों और 180 दिनों में मैच्योर होने वाली फक्स्डि डिपॉजिट के लिए, बैंक ने दरों में 5 आधार अंकों (बीपीएस) की बढ़ोतरी की है। इन जमाओं पर क्रमशः 3.25 फीसदी और 4.3 फीसदी की ब्याज दर प्राप्त होगी। 181 और 363 दिनों की अवधि वाली एफडी 4.40 फीसदी का रिटर्न देगी और 364 दिनों में मैच्योर होने वाली फिक्स्ड डिपॉजिट अब 10 आधार अंक अधिक यानी 4.5 फीसदी का बे याज देगी। 365 दिन से 389 दिन में मैच्योर होने वाली जमा राशि पर अब 4.9 फीसदी मिलेगा। 390 दिनों में 23 महीने से कम समय में मैच्योर होने वाली एफडी 5 फीसदी देगी। 3 साल और उससे अधिक लेकिन 5 साल से कम में मैच्योर होने वाली सावधि जमा के लिए, बैंक ने दरों में 10 बीपीएस की बढ़ोतरी की है। ये जमा राशि अब 5.3 फीसदी का रिटर्न देगी। 5 साल और उससे अधिक में मैच्योर होने वाली और 10 साल तक की जमाओं के लिए बैंक ने ब्याज दर में 5 बीपीएस की बढ़ोतरी की है, ये जमा अब 5.3 फीसदी का रिटर्न देंगे।

बिक्री शुरू होने के 10 सेकंड में ही बिक गए 116 करोड़ के फोन

दमदार फीचर्स की वजह से यूजर्स बने फैन

नई दिल्ली (एजेंसी)।

आईक्यूओओ ने हाल में अपनी आईक्यूओओ-9 सीरीज को लॉन्च किया है। इस सीरीज के तहत दो स्मार्टफोन- आईक्यूओओ-9 और आईक्यूओओ-9 प्रो आते हैं। पिछले हफ्ते लॉन्च हुए इन स्मार्टफोन्स की बुधवार को पहली सेल थी। चीन में हुई पहली सेल में इन दोनों हैंडसेट्स को यूजर्स का शानदार रिस्पॉन्स मिला और केवल 10 सेकंड में 100 मिलियन युआन (करीब 116.25 करोड़ रुपए) के फोन बिक गए। चीन में कंपनी ने इन स्मार्टफोन्स को कई अलग-अलग ई-कॉमर्स प्लैटफॉर्म पर सेल के लिए उपलब्ध कराया था।आईक्यूओओ-9 12जीबी तक की रैम और 256जीबी तक के इंटरनल स्टोरेज में आता है। इसकी शुरुआती कीमत 3,999 युआन (करीब 46,500 रुपए) है। वहीं, आईक्यूओओ-9 प्रो भी 12जीबी तक की रैम और 256जीबी तक के इंटरनल स्टोरेज ऑप्शन में आता है। चीन में इस फोन की शुरुआती कीमत 4,999 युआन (करीब 58 हजार रुपए) है। दोनों स्मार्टफोन में 120हट्र्ज के रिफ्रेश रेट के साथ 6.78 इंच का फुल एचडी प्लस डिस्प्ले दिया गया है। सीरीज के प्रो वेरियंट में मिलने वाला डिस्प्ले कर्व्ड एमओएलईडी एलटीपीओ डिस्प्ले और क्वॉड एचडी प्लस रेजॉलूशन के साथ आता है। इन-डिस्प्ले फिंगरप्रिंट सेंसर से लैस इस स्मार्टफोन में फोटोग्राफी के लिए ट्रिपल रियर कैमरा सेटअप दिया गया है। आईओओओ-9 के रियर में कंपनी 50 मेगापिक्सल के प्राइमरी कैमरा के साथ एक 13 मेगापिक्सल का अल्ट्रा-वाइड ऐंगल लेंस और एक 12 मेगापिक्सल का टेलिफोटो सेंसर ऑफर कर रही है। वहीं, प्रो वेरियंट में गिंबल और ओआईएस सपोर्ट के साथ 50 मेगापिक्सल का मेन कैमरा, 50 मेगापिक्सल का अल्ट्रा-वाइड ऐंगल कैमरा और एक 16 मेगापिक्सल का टेलीफोटो कैमरा दिया गया है। सेल्फी के लिए दोनों स्मार्टफोन में कंपनी 16 मेगापिक्सल का फ्रंट कैमरा ऑफर कर रही है। 12जीबी तक की रैम और 256जीबी तक के इंटरनल स्टोरेज वाले इन फोन में प्रोसेसर के तौर पर स्नैपड्रैगन 8 जेन 1 चिपसेट दिया गया है। बैटरी की बात करें तो दोनों डिवाइस में 4700एमएएच की बैटरी लगी है, जो 120 वॉट की फास्ट चार्जिंग को सपोर्ट करती है।

शीर्ष अमेरिकी निकाय ने चेताया

क्रिप्टो घोटाला अब निवेशकों के लिए सबसे बड़ा खतरा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

क्रिप्टोकरेंसी और डिजिटल संपत्ति 2022 में शीर्ष निवेशक खतरा होंगे। इससे पहले कि आप क्रिप्टोकरंसी में कूदें, ध्यान रखें कि क्रिप्टोकरेंसी और संबंधित वित्तीय उत्पाद पोंजी योजनाओं और अन्य धोखाधड़ी के लिए सार्वजनिक सामना करने वाले मोचरें से ज्यादा कुछ नहीं हो सकते हैं। एक शीर्ष अमेरिकी गैर-लाभकारी संगठन ने ये चेतावनी दी है। नॉर्थ अमेरिकन सिक्योरिटीज एडमिनिस्ट्रेटर एसोसिएशन (एनएएसएए) की एक नई रिपोर्ट के अनुसार, क्रिप्टोकरेंसी घोटाले अब तक नंबर एक शीर्ष निवेशक खतरा हैं। अलबामा सिक्योरिटीज कमीशन के निदेशक, प्रवर्तन अनुभाग समिति के सह-अध्यक्ष जोसेफ पी बोर्ग ने कहा, नासा के प्रतिभूति नियामकों ने खुलासा किया कि क्रिप्टोकरेंसी और डिजिटल संपत्ति से संबंधित निवेश हमारे लिए शीर्ष निवेशक खतरा है। उन्होंने एक बयान में कहा, एक्रिप्टो करोड़पतियों की कहानियों ने कुछ निवेशकों को इस साल क्रिप्टोकरैंक्स या क्रिप्टो-संबंधित निवेशों में निवेश करने के लिए आकर्षित किया और उनके साथ, बड़ा दांव लगाने और बड़ा हारने वालों की कई कहानियां दिखाई देने लगीं, और वे 2022 में दिखाई देते रहेंगे। निवेश घोटाले का सबसे आम संकेत बिना किसी जोखिम के गारंटीड उच्च रिटर्न की पेशकश है। नासा के अध्यक्ष और मैरीलैंड सिक्योरिटीज कमिश्नर मेलानी सेंटर लुबिन ने कहा, निवेशकों के लिए यह समझना महत्वपूर्ण है कि वे क्या निवेश कर रहे हैं और किसके साथ निवेश कर रहे हैं। डिजिटल परिसंपत्तियां मौजूदा निवेशक नियामक ढांचे में अच्छी तरह से नहीं आती हैं और इन उत्पादों के प्रमोटरों के लिए जनता को लूटना आसान हो सकता है। सभी निवेशों में यह जोखिम होता है कि निवेशित निधियों में से कुछ, या सभी, खो सकते हैं। क्रिप्टोकरेंसी स्कैमर्स ने 2021 में पीड़ितों से 7.7 बिलियन डॉलर मूल्य की क्रिप्टोकरेंसी प्राप्त की, जो पिछले वर्ष की तुलना में घाटे में 81 प्रतिशत की वृद्धि है। ब्लॉकचैन विश्लेषण फर्म चैनालाइसिस के अनुसार, 7.7 अरब डॉलर में से करीब 1.1 अरब डॉलर एक ही योजना के लिए जिम्मेदार थे जो कथित तौर पर रूस और यूक्रेन को लक्षित करते थे।

विश्व बैंक ने भारत की जीडीपी ग्रोथ रेट का अनुमान 8.3 फीसदी पर बरकरार रखा

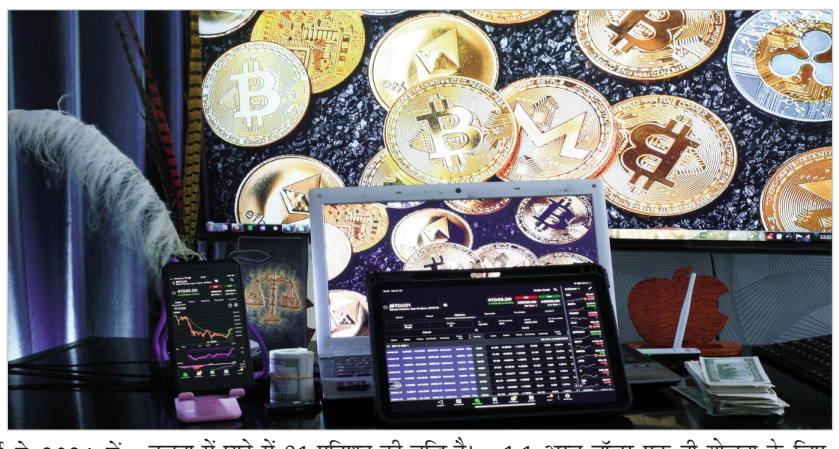

मुंबई (एजेंसी)।

विश्व बैंक ने वित्त वर्ष 2022 के लिए भारत के जीडीपी ग्रोथ रेट का अनुमान 8.3 फीसदी पर बरकरार रखा है लेकिन वर्ल्ड बैंक ने वित्त वर्ष 2022 के लिए चीन के जीडीपी ग्रोथ रेट के अनुमान को 8.5 फीसदी से घटाकर 8 फीसदी कर दिया। विश्व बैंक ने वित्त वर्ष 2023 और वित्त वर्ष 2024 के लिए भारत के अपने अनुमान को बढ़ाकर क्रमश 8.7 फीसदी और 6.8 फीसदी कर दिया है। वॉशिंगटन मुख्यालय वाले वर्ल्ड बैंक ने हाल ही में जारी ग्लोबल इकोनॉमिक प्रॉस्पेक्टस रिपोर्ट में यह अनुमान जताया। वर्ल्ड बैंक ने भारत के अलावा अमेरिका, यूरोपीय यूनियन, चीन और जापान सहित दुनिया की लगभग सभी प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं को लेकर अनुमान जारी किया और चेतावनी दी कि उच्च ऋण स्तर, आय की बढ़ती असमानता और नए कोविड -19 वेरिएंट के चलते विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में सुधार को खतरा बन सकता है अथवा ग्रोथ सुस्त हो सकी है। विश्व बैंक ने बताया कि साल 2021 में ग्लोबल ग्रोथ रेट 5.5 फीसदी रही। हालांकि 2022 में इसमें स्पष्ट गिरावट के संकेत है और यह 4.1 फीसदी रह सकती है। वहीं 2023 में यह और घटकर 3.2 फीसदी पर आ सकती है। वर्ल्ड बैंक ने इसके पीछे पेंटअप डिमांड के धीमा पड़ने और सरकारों की तरफ से महामारी में बड़े पैमाने पर जारी किए वित्तीय उपायों के असर के कम पड़ने को वजह बताया। चीन की बात करें तो वर्ल्ड बैंक ने वित्त वर्ष 2022 के लिए चीन के जीडीपी ग्रोथ रेट अनुमान को 8.5 फीसदी से घटाकर 8 फीसदी कर दिया। साथ ही वित्त वर्ष 2023 और वित्त वर्ष 2024 में वर्ल्ड बैंक ने चीन की आर्थिक विकास दर में और धीमी पड़ने और इसके क्रमश 5.1 फीसदी और 5.3 फीसदी रहने का अनुमान जताया है।

श्रीलंका में महंगाई चरम पर, सब्जियों और दूध की कीमतों में भारी इजाफा

- सरकारी आकड़ों के मुता बिक खाने-पीने की कीमतें एक महीने में 15 फीसदी बढ़ी

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

भारी कर्ज का सामना कर रहा श्रीलंका कभी भी दिवालिया हो सकता है। देश में महंगाई चरम पर पहुंच गई है। खासकर सब्जियों और दूध की कीमत में भारी इजाफा हुआ है। श्रीलंका में आयात ना हो पाने की वजह से मिल्क पाउडर की भी कमी हो गई है। मिल्क पाउडर की कीमत में 12.5 फीसदी तेजी आई है। हालत यह हो गई है कि बाजार में दूध की चाय बिकनी बंद हो गई है। यह श्रीलंका में बेहद लोकप्रिय है। दुकानदारों का कहना है कि वे केवल डिमांड पर ही दूध वाली चाय बनाएंगे और इसके लिए ग्राहकों को ज्यादा कीमत चुकानी पड़ेगी। देश में खाने-पीने के सामानों की कीमत आसमान छू रही हैं। इस महंगाई ने लोगों की कमर तोड़कर रख दी है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक खाने-पीने की कीमत में एक महीने में ही 15 फीसदी का इजाफा हुआ है। इसकी सबसे बड़ी वजह सब्जियों की कीमत में बेतहाशा बढ़ोतरी है। करीब चार महीने में कुकिंग गैस सिलेंडर की कीमत भी दोगुनी हो गई है। करीब 2.2 करोड़ की आबादी वाला श्रीलंका अभूतपूर्व आर्थिक संकट से जूझ रहा है। नवंबर के ओ खिर तक इसका विदेशी मुद्रा भंडार 1.6 अरब डॉलर रह गया था। अब देश के पास कुछ ही हफ्तों के आयात के लिए पैसा बचा है। श्रीलंका में विपक्ष के प्रमुख नेता और अर्थशास्त्री हर्षा डी सिल्वा का कहना है कि देश पूरी तरह से दिवालिया हो जाएगा। ऐसा ही चलता रहा तो आयात रुक जाएगा, पूरा आईटी सिस्टम बंद हो जाएगा, यहां तक कि हम गूगल मैप का भी इस्तेमाल नहीं कर पाएंगे क्योंकि हम इसके लिए पैसे देने की स्थिति में नहीं होंगे। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक नवंबर 2021 से दिसंबर 2021 के बीच खाद्य वस्तुओं की महंगाई 15 प्रतिशत बढ़ी है। खासकर सब्जियों की कीमत आसमान छू रही है। 100 ग्राम मिर्च की कीमत 18 रुपए से 71 रुपए हो गई है।

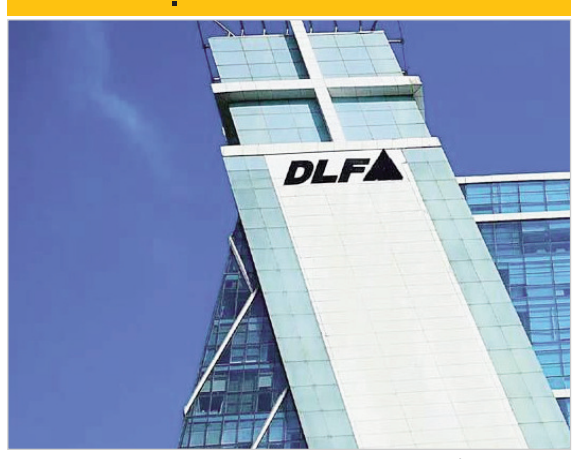

इस साल शेयर बाजार का लाभ सीमित रहेगा

मुंबई (एजेंसी)।

ब्रोकरेज कंपनी बैंक ऑफ अमेरिका (बोफा) सिक्योरिटीज इंडिया ने कहा है कि भारतीय शेयर बाजार में वर्ष, 2020 के मध्य से जारी तेजी का दौर शायद जारी न रह पाए क्योंकि नए साल में सुधारों के कई दौर देखने को मिलेंगे। ब्रोकरेज फर्म ने हाल ही में जारी एक रिपोर्ट में कहा कि भारतीय बाजार वर्ष 2022 में मौजूदा स्तर से करीब नौ प्रतिशत तक बढ़ सकता है और निफ्टी के दिसंबर ओ खिर तक 19,000 के स्तर तक पहुंचने की उम्मीद है। हालांकि, उसने बीएसई सूचकांक सेंसेक्स के बारे में कोई पूर्वानुमान नहीं जताया है। बोफा सिक्योरिटीज के एक शोध विश्लेषक ने कहा कि जून, 2020 से शुरू होकर अक्टूबर, 2021 तक चला बाजार में तेजी का दौर शायद इस साल कायम नहीं रह पाए और बाजार का रिटर्न नौ प्रतिशत तक सीमित रह सकता है। उन्होंने कहा कि निफ्टी दिसंबर, 2022 के अंत में 19,100 अंक पर रह सकता है। उन्होंने कहा कि भारतीय शेयर बाजार का मूल्यांकन उभरते बाजारों के अनुपात में करीब 28 फीसदी अधिक है जबकि वैश्विक बाजारों की तुलना में यह 22 प्रतिशत ज्यादा है। इसके बावजूद घरेलू कंपनियों के शेयर आकर्षक बने रहेंगे और यह ताइवान के बाद दूसरा सबसे ज्यादा रिटर्न दे सकता है। कोरोना वायरस के नए स्वरूप ओमीक्रॉन की वजह से महामारी की नई लहर विश्व अर्थव्यवस्था के लिए बड़ा खतरा पेश कर रही है। ऐसी स्थिति में केंद्रीय बैंक मुद्रास्फीति पर काबू पाने के लिए तरलता सुविधा को उम्मीद से कहीं जल्द सख्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि जून से नीतिगत दरों मे 0.25 प्रतिशत की कम-से-कम चार बार वृद्धि हो सकती है। इसके अलावा रुपया भी अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 77 प्रति डॉलर के स्तर तक जा सकता है।

डीएलएफ ने दिल्ली में नई आवासीय परियोजना में 1,500 करोड़ की संपत्तियां बेचीं

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

रियल्टी क्षेत्र की प्रमुख कंपनी डीएलएफ लिमिटेड ने दिल्ली के मोती नगर में अपनी नई आवासीय परियोजना में 1,500 करोड़ रुपए की संपत्तियां बेची हैं। डीएलएफ ने हाल ही में मोती नगर के शिवाजी मार्ग पर तीन करोड़ रुपए की शुरुआती कीमत के साथ 913 इकाइयों वाली अपनी लग्जरी आवासीय परियोजना वन मिडटाउन पेश की थी। डीएलएफ इस परियोजना को सिंगापुर सॉवरेन वेल्थ फंड जीआईसी के साथ मिलकर विकसित कर रही है। डीएलएफ लिमिटेड ने एक बयान में कहा कि कंपनी ने नई लग्जरी आवासीय परियोजना- वन मिडटाउन के पहले चरण में लगभग 1,500 करोड़ रुपए की बिक्री हुई है। कंपनी ने हालांकि यह नहीं बताया कि उसने कितनी इकाइयां बेची है।

इस परियोजना में चार टावर हैं और प्रत्येक में 39 मंजिलें हैं। इनमें दो, तीन या चार बैडरूम के 913 अपार्टमेंट हैं। कंपनी इन 913 इकाइयों को चरणबद्ध ढंग से बेचेगी। बिक्री बुकिंग पर टिप्पणी करते हुए डीएलएफ होम डेवलपर्स लिमिटेड के एक मुख्य कारोबार अधिकारी ने कहा कि पूरी दुनिया जिस चुनौतीपूर्ण वक्त से गुजर रही है, उसके मद्देनजर हम खुश हैं कि इस पेशकश की ऐसी शुरुआत हुई है।

उन्होंने कहा कि ये आंकड़े प्रभावशाली हैं और इस परियोजना के निहित मूल्य को दर्शाते हैं।

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

चीन में होने वाले शीतकालीन ओलंपिक खेलों पर खतरा मंडराया

पेइचिंग । कोरोना संक्रमण के कारण चीन में अगले माह होने वाले बीजिंग शीतकालीन ओलंपिक खेलों पर भी खतरा मंडरा रहा है। संक्रमण के कारण ही अब एक और शहर में लॉकडाउन लग गया है। अधिकारियों के अनुसार अब आन्यांग शहर में भी लॉकडाउन लगा दिया गया है। इससे पहले जियान और तियानजिन में लॉकडाउन लगाया गया था। हेनान प्रांत स्थित 55 लाख की आबादी वाले शहर आन्यांग में महामारी नियंत्रण के उपायों को और कड़ा किया गया है। पर्यटन केंद्र जियान और तियानजिन के बाद आन्यांग लॉकडाउन का सामना करने वाला तीसरा शहर है, जहां पिछले कुछ दिनों में ओमीक्रोन से जुड़े मामलों में तेजी आयी है। इससे चीन की 'शून्य कोरोना वायरस मामले नीति' के लिए खतरा पैदा हुआ है। पहला मामला सामने आने के बाद से ही आन्यांग में संक्रमण के 84 मामले सामने आए हैं, जो स्थानीय प्रसार से जुड़े हैं। संक्रमण के मामलों में वृद्धि चार से 20 फरवरी तक होने वाले बीजिंग शीतकालीन ओलंपिक से पहले हो रही है। इस बीच, देश के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग ने कहा कि चीनी मुख्य भूमि के विभिन्न स्थानों पर लगभग 200 मामले सामने आए हैं, जिनमें 110 स्थानीय प्रसार से जुड़े हैं। चीन के तिआनजिन में कोरोना वायरस के नए स्वरूप ओमीक्रोन के मामले सामने आने के बाद आंशिक लॉकडाउन लगाया गया है।

इंडिया ओपन : साइना नेहवाल और प्रणय दूसरे दौर में

नई दिल्ली ।

चौथी वरीयता प्राप्त भारत की सायना नेहवाल और आठवीं सीड एचएस प्रणय ने इंडिया ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के दूसरे दौर में जगह बना ली है। यहां इंदिरा गांधी स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स के केडी जाधव हॉल में चल रहे इस टूर्नामेंट में सायना ने बुधवार को अपनी प्रतिद्वंद्वी चेक गणराज्य की टेरेजा स्वाबिकोवा के दूसरे गेम में रिटायर हो जाने से दूसरे दौर में जगह बना ली। स्वाबिकोवा ने जब मैच छोड़ा तब सायना 18 मिनट तक चले मुकाबले में 22-20, 1-0 से आगे थीं। सायना का दूसरे दौर में हमवतन मालविका बंसोड़ से मुकाबला होगा। मालविका ने पहले दौर में हमवतन सामिया इमाद फारूकी को 34 मिनट में 21-18, 21-9 से पराजित किया। पुरुष वर्ग में प्रणय ने स्पेन के पाब्लो एबियन को 33 मिनट में 21-14, 21-7 से हराया। प्रणय का अगला मुकाबला हमवतन मिथुन मंजुनाथ से होगा जिन्होंने फ्रांस के अरनॉड मेकर्ले को एक घंटे पांच मिनट तक चले मुकाबले में 21-16, 15-21, 21-10 से पराजित किया।

मुझे यह साबित करना है कि शीर्ष पांच में पहुंच सकता हूं - प्रणय

नई दिल्ली ।

भारतीय पुरुष बैडमिंटन खिलाड़ी एच. एस. प्रणय का मानना है कि उनके पास दुनिया के शीर्ष पांच खिलाड़ी में जगह बनाने की काबिलियत है और इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए वह अपने खेल में नये आयाम जोड़ना चाहते हैं। विश्व रैंकिंग के पूर्व नंबर आठ खिलाड़ी प्रणय को 2018 विश्व चैंपियनशिप के दौरान 'गैस्ट्रोओसोफेगल रिफ्लक्स (पेट से संबंधित बीमारी)' का पता चला था जिसके बाद उनके प्रदर्शन में थोड़ी गिरावट आई। इस बीमारी से कुछ हद तक उबरने के बाद नवंबर 2020 में वह कोरोना वायरस से संक्रमित हो गये। वह तब से ही इस बीमारी के प्रभावों से जूझ रहे है, जिसका असर उनके खेल पर भी पड़ा है। वह विश्व रैंकिंग में फिसल कर 26वें पायदान पर आ गए हैं प्रणय ने यहां इंडिया ओपन में शुरुआती दौर के अपने मैच को जीतने के बाद बुधवार को कहा, 'ऐसा समय था जब मैं शारीरिक रूप से ठीक नहीं था और बेहतर प्रदर्शन नहीं होने का यही मुख्य कारण भी था।' उन्होंने कहा, 'निश्चित रूप से मुझे अभी यह साबित करना है कि मेरा खेल खत्म नहीं हुआ है और मैं ऐसा खिलाड़ी हूं जो दुनिया के शीर्ष पांच में हो सकता है। मुझे अपनी अंतरात्मा पर भरोसा है और उम्मीद है कि अगले कुछ महीनों में हमारे पास कुछ अच्छा होगा।' वह पिछले महीने विश्व चैंपियनशिप में क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने में सफल रहे। उन्होंने कहा, 'थोड़ी निराशा हुई लेकिन फिर भी मैं विश्व चैम्पियनशिप के अपने प्रदर्शन से बेहद खुश हूं। मैं वहां से बहुत सारी सकारात्मक चीजों के साथ आकर सकारात्मक मानसिकता के साथ अभ्यास कर सकता था।'

विश्व बल्लेबाजी रैंकिंग में रोहित और कोहली पांचवें और नौवें स्थान पर बरकरार

गेंदबाजी में अश्विन शीर्ष दस में एकमात्र भारतीय

दुबई ।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ताजा विश्व टेस्ट रैंकिंग में भारत के रोहित शर्मा और विराट कोहली शीर्ष दस में बने हुए हैं। यह दोनो ही पांचवें और नौवें स्थान पर कायम हैं। रोहित के 781 रेटिंग अंक हैं जबकि कोहली के 740 अंक हैं। भारत के ही मयंक अग्रवाल एक स्थान के नुकसान के साथ ही 13वें स्थान पर खिसक गए हैं। वहीं ऑस्ट्रेलिया के मार्नस लाबुशेन नंबर एक पर कायम हैं। उनके 924 अंक है। इंग्लैंड के कप्तान जो रूट के 881 और ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ 871 अंक लेकर दूसरे और तीसरे स्थान पर बने हुएहैं। चौथे स्थान पर न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन हैं उनके 862 हैं। वहीं टेस्ट गेंदबाजों में भारत के अनुभवी ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन 861 अंक लेकर रैंकिंग में दूसरे स्थान पर बरकरार हैं। अश्विन शीर्ष 10 में शामिल एकमात्र भारतीय गेंदबाज हैं। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिन्स शीर्ष पर हैं। उनके बाद अश्विन और न्यूजीलैंड काइल जैमीसन का नंबर आता है। जैमीसन छह पायदान ऊपर चढ़े हैं। अश्विन टेस्ट ऑलराउंडरों की रैंकिंग में भी दूसरे स्थान पर कायम हैं। इस सूची में वेस्टइंडीज के जैसन होल्डर शीर्ष पर हैं।

जोकोविच के पिता ने कहा- मामला समाप्त हो चुका है

बेलग्रेड ।

नोवाक जोकोविच पर अब भी ऑस्ट्रेलिया से निर्वासित होने की तलवार लटक रही है लेकिन सर्बिया में उनके पिता ने कहा कि यह मामला समाप्त हो चुका है। सरजान जोकोविच ने कहा, 'नोवाक जोकोविच को लेकर बनी पूरी स्थिति ऑस्ट्रेलियाई अदालत के फैसले के साथ ही समाप्त हो गई है।' सर्बिया में जोकोविच को भारी समर्थन मिल रहा। जोकोविच को यदि ऑस्ट्रेलिया में रहने की अनुमति मिल जाती है तो वह ऑस्ट्रेलियाई ओपन में अपने खिताब का बचाव करने के लिए उतरेंगे। लेकिन उनके अगले सोमवार से शुरू होने वाले साल के पहले ग्रैंडस्लैम में भाग लेने को लेकर अब भी स्थिति स्पष्ट नहीं है। जोकोविच को अदालत ने देश में रहने की अनुमति दे रखी है लेकिन उन्होंने कोविड-19 के लिए टीकाकरण नहीं किया है और उन्हें अब भी निर्वासित किया जा सकता है। इस सबके बावजूद सरजान जोकोविच ने अपना पक्ष रखा। उन्होंने कहा, 'आस्ट्रेलिया की एक अदालत और स्वतंत्र जज ने सभी तथ्यों की 7 घंटे तक जांच के बाद तय किया कि किसी तरह की अस्पष्टता नहीं है और नोवाक ऑस्ट्रेलिया में प्रवेश करने और अपना काम करने के लिए स्वतंत्र है।'

अंडर-19 विश्व कप : भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया को नौ विकेट से हराया

जमैका ।

वेस्टइंडीज में जारी अंडर-19 विश्वकप क्रिकेट के अपने दूसरे अभ्यास मैच में भी भारतीय टीम जीती है। भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलियाई टीम को नौ विकेट से हराया है। भारतीय खिलाड़ियों ने अबतक यहां बल्लेबाजी के साथ ही शानदार गेंदबाजी भी की है। भारतीय टीम ने अपने पहले अभ्यास मैच में मेजबान वेस्टइंडीज को 108 रनों से हराया था। भारतीय टीम ने अपने दूसरे अभ्यास मैच में टॉस जीतकर ऑस्ट्रेलियाई टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने कप्तान कूपर कोनोली के शतक की सहायता से 268 रन बनाए। इस प्रकार भारतीय टीम को जीत के लिए 269 रनों का लक्ष्य मिला जो उसने 47.3 ओवर में केवल एक विकेट के नुकसान पर ही आसानी से हासिल कर लिया। भारत की ओर से हरनूर सिंह ने 100, शेख रसीद ने 72 रन बनाये। वहीं कप्तान यश ढुल ने नाबाद 50 रन बनाये। हरनूर और शेख रशीद रिटायर्ड हर्ट होकर पवेलियन लौटे। इस मैच में भारतीय टीम ने टॉस जीतकर ऑस्ट्रेलियाई टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। भारतीय गेंदबाजों के सामने ऑस्ट्रेलियाई सलामी जोड़ी टिक नहीं पायी। दोनो ही सलामी बल्लेबाज 21 रन के स्कोर पर पवेलियन लौट गए। इसके बाद तीसरे विकेट के लिए ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों के बीच 50 से ज्यादा रन की साझेदारी हुई पर इसके बाद टीम ने 83 के स्कोर पर तीसरा और 117 रन पर चौथा विकेट गंवा दिया पर कप्तान कूपर कोनोली ने एक छोर संभाले रखा।

संक्षिप्त समाचार

एमओसी ने बजरंग को अतिरिक्त वित्तीय सहायता को मंजूरी दी

नई दिल्ली ।

पहलवान बजरंग को विदेश में ट्रेनिंग के लिये 1.76 लाख रूपये की अतिरिक्त वित्तीय मदद को मंजूरी मिल गयी है। खेल मंत्रालय की मिशन ओलंपिक इकाई (एमओसी) ने यह मंजूरी दी है। बजरंग को व्यस्त सत्र से पहले मॉस्को में 26 दिन के शिविर के लिये 7.53 लाख रूपये की स्वीकृति दी गयी थी। उन्हें 27 दिसंबर से शुरू हुए मौजूदा शिविर के लिये 1.76 लाख रूपये की अतिरिक्त राशि मंजूर की गयी है। इसमें जितेंदर उनके 'स्पारिंग' जोड़ीदार और आनंद कुमार फिजियोथेरेपिस्ट के तौर पर गये थे। बजरंग अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट जैसे बर्मिंघम में राष्ट्रमंडल खेल और चीन के ग्वांग्झू में एशियाई खेल के अलावा यूडब्ल्यूडब्ल्यू रैंकिंग टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के लिए तैयार हैं। वहीं ग्रीको रोमन पहलवान सुनील कुमार को रोमानिया और हंगरी में 'स्पारिंग' जोड़ीदार और कोच के साथ विशेष ट्रेनिंग के लिये 10.85 लाख रूपये की राशि मंजूर की गयी है। सुनील टॉप्स (टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना) डेवलपमेंट ग्रुप का हिस्सा हैं। वह 2019 और 2020 में सीनियर राष्ट्रीय चैम्पियनशिप, एशियाई चैम्पियनशिप 2020 और 2021 में सीनियर राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीत चुके हैं। इनके अलावा जूडोका यश घांगस को भी टॉप्स डेवलपमेंट ग्रुप में शामिल किया गया है।

कमिन्स ने ऑस्ट्रेलियाई टीम से छींटाकशी की जगह अपने खेल पर ध्यान देने कहा

मेलबर्न । ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट क्रिकेट टीम के कप्तान पैट कमिन्स ने कहा है कि खिलाड़ियों को छींटाकशी और अन्य बातों में पड़ने की जगह अपने काम पर ध्यान देना चाहिये। साथ ही कहा कि गेंद से छेड़छाड़ के साल 2018 के मामले के बाद ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट संस्कृति बदली है। कमिन्स ने कहा कि इसी कारण इंग्लैंड के खिलाफ जारी एशेज श्रृंखला में अब तक एक भी बार विवाद नहीं हुआ है। कमिन्स ने इसका श्रेय अपने साथी खिलाड़ियों को दिया है।कमिन्स ने कहा कि उनकी नेतृत्व शैली काफी हद तक इंग्लैंड के सीमित ओवरों के कप्तान इयोन मोर्गन से मिलती है। कमिन्स ने कहा, ''मैं अलग तरह के नेतृत्वकर्ताओं पर ध्यान देता हूं। मुझे इयोन मोर्गन जैसा नेतृत्वकर्ता पसंद है। मुझे कप्तानी पर उनका दृष्टिकोण पसंद आता है कि वह कैसे टीम को एकजुट करता है। मैंने पिछले कुछ वर्षों से आईपीएल में मोर्गन के साथ काम किया है और जीवन को लेकर हमारा नजरिया एक जैसा है।'' उन्होंने कहा, ''मैं अपने सभी खिलाड़ियों को अपनी अलग पहचान बनाने के लिये प्रेरित भी करता रहता हूं। इसलिए उन्हें किसी को प्रभावित करने के लिए छींटाकशी नहीं करनी चाहिये। कमिन्स ने कहा कि उन्हें अपनी टीम के व्यवहार पर गर्व है।

ओडिन के शानदार प्रदर्शन से वेस्टइंडीज ने आयरलैंड को पहले एकदिवसीय में हराया

मैच में लगाया शानदार छक्का , रेंज रोवर कार पर गिरी गेंद

जमैका।

आयरलैंड के साथ यहां हुए पहले एकदिवसीय मैच में वेस्टइंडीज की ओर से पदार्पण कर रहे ओडिन स्मिथ ने ऑलराउंड प्रदर्शन करते हुए अपनी टीम को जीत दिलाई हालांकि वह अधिक चर्चाओं में अपने एक शॉट के कारण रहे। ओडिन का एक छक्का सीधे बाउंड्री के बाहर खड़ी एक रेंज रोवर कार पर जाकर गिरा। इसका एक वीडियो भी सामने आया है। इस वीडियो में दिख रहा है कि कैसे ओडिन के बल्ले से निकली गेंद सीधे स्टेडियम के पार गई और वहां खड़ी नीले रंग की रेंज रोवर कार के ऊपर गिरी। वहीं कॉमेंटेटर भी स्मिथ का यह शॉट देखकर हैरान रह गए। इस दौरान कॉमेंट्री टीम की तरफ से कहा गया कि यह कार शेल्डन कॉटरेल की है। ओडिन 9वें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे थे। तब पारी का 47वां ओवर चल रहा था। ऐसे में ओडिन ने तेजी से शॉट खेले। उन्होंने 48वें ओवर की तीसरी गेंद पर छक्का मारा, जो सीधे कार के ऊपर जाकर गिरी। इसके बाद उन्होंने 49वें ओवर की लगातार दो गेंदों पर एक छक्का और एक चौका भी लगाया। अगली गेंद पर वो बड़ा शॉट खेलने के चक्कर में कैच आउट हुए। ओडिन के 8 गेंद पर 18 रनों की सहायता से वेस्टइंडीज ने इस मैच में 48.5 ओवर में 269 रन बनाए। इसके बाद बल्लेबाजी करते हुए आयरलैंड की टीम 49.1 ओवर 245 रनों पर ही सिमट गयी। इस प्रकार वेस्टइंडीज ने पहला एकदिवसीय 24 रन से जीता। ओडिन ने गेंदबाजी में भी शानदार प्रदर्शन करते हुए 5.1 ओवर में 26 रन देकर 2 विकेट लिए।

सुंदर और सिराज की जगह जयंत और नवदीप एकदिवसीय सीरीज के लिए टीम इंडिया में शामिल

मुम्बई ।

भारत ने मेजबान दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली एक दिवसीय सीरीज के लिए वाशिंगटन सुंदर और मोहम्मद सिराज की जगह पर जयंत यादव और नवदीप सैनी को टीम में शामिल किया है। सुंदर कोरोना संक्रमण के कारण इस दौरे से बाहर हैं, वहीं सिराज अपनी हैमस्ट्रिंग चोट से नहीं उबरे हैं। दक्षिण अफ्रीका और भारत के बीच 19, 21 और 23 जनवरी को तीन एकदिवसीय मैच खेले जाएंगे। रोहित शर्मा चोट के कारण इस दौरे से बाहर हैं और ऐसे में लोकेश राहुल भारतीय टीम की कप्तानी संभालेंगे। वहीं भारतीय ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा भी चोट के कारण टीम में शामिल नहीं हुए हैं। बीसीसीआई ने अपने एक बयान में कहा कि टीम इंडिया के सुंदर को बेंगलुरु में शिविर के दौरान कोविड-19 संक्रमित पाए जाने के बाद दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आगामी एकदिवसीय श्रृंखला से बाहर कर दिया गया है। साथ ही कहा गया कि अखिल भारतीय सीनियर चयन समिति ने सुंदर की जगह जयंत यादव को शामिल किया है। समिति ने सिराज के बैक-अप के रूप में तेज गेंदबाज सैनी को भी एकदिवसीय टीम में शामिल किया, सिराज अभी भी अपनी हैमस्ट्रिंग की चोट से उबर रहे हैं।

भारत की वनडे टीम - केएल राहुल (कप्तान), जसप्रीत बुमराह (उप-कप्तान), शिखर धवन, रुतुराज गायकवाड़, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, श्रेयस अय्यर, वेंकटेश अय्यर, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेट-कीपर)), युजवेंद्र चहल, आर अश्विन, भुवनेश्वर कुमार, दीपक चाहर, प्रसिद्ध कृष्णा, शार्दुल ठाकुर, मोहम्मद सिराज, जयंत यादव, नवदीप सैनी।

सिद्धार्थ के माफी मांगने से खुश हैं साइना

नई दिल्ली । महिला बैडमिंटन स्टार साइना नेहवाल अभिनेता सिद्धार्थ के उन पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में सार्वजनिक रूप से माफी मांगने से खुश हैं। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सुरक्षा मामले में साइना के ट्वीट पर सिद्धार्थ ने आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। इसके लेकर महिला आयोग के साथ ही सोशल मीडिया पर लोगों ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए सिद्धार्थ की आलोचना की थी। इस मामले में राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने ट्विटर इंडिया से सिद्धार्थ के खाते को तुरंत 'ब्लॉक' करने के लिये भी कहा था। सिद्धार्थ ने बुधवार को माफी मांगने के साथ ही अपनी टिप्पणी को 'भद्दा मजाक' करार दिया। उन्होंने कहा कि वह अपने 'स्वर और शब्दों को सही नहीं ठहरा सकते।' साइना को खुशी है कि इस अभिनेता ने अपनी गलती स्वीकार की। उन्होंने कहा, ''सिद्धार्थ अब माफी मांग रहे हैं। उस दिन ट्विटर पर अपने को ट्रेंड करते देख मैं हैरान हो गयी थी। मैंने उनसे बात नहीं की, लेकिन मुझे खुशी है कि उन्होंने माफी मांग ली है।'' साइना ने कहा, ''यह महिलाओं से जुड़ा मामला है। उन्हें इस तरह किसी महिला को निशाना नहीं बनाना चाहिए। मुझे इसकी परवाह नहीं है, मैं अपनी जगह पर खुश हूं और उन्हें शुभकामनाएं।''

महिला एशिया कप के लिए 18 सदस्यीय भारतीय टीम की घोषणा

नई दिल्ली ।

हॉकी इंडिया ने बुधवार को आगामी महिला हॉकी एशिया कप के लिए 18 सदस्यीय टीम का ऐलान किया जो मस्कट में सुल्तान काबूस स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स में 21-28 जनवरी 2022 के बीच होने वाला है। गत चैंपियन भारत खिताब के लिए चीन, इंडोनेशिया, जापान, मलेशिया, सिंगापुर, दक्षिण कोरिया और थाईलैंड से भिड़ेगा। इस टूर्नामेंट की शीर्ष चार टीमें स्पेन और नीदरलैंड में होने वाले 2022 एफआईएच महिला हॉकी विश्व कप के लिए क्वालीफाई करेंगी। भारतीय टीम में 16 खिलाड़ियों के साथ एक दुर्जेय लाइनअप है जो टोक्यो ओलंपिक खेलों 2020 में ऐतिहासिक चौथे स्थान पर रही थी। रानी की अनुपस्थिति में ऐस गोलकीपर सविता टीम का नेतृत्व करेगी जो बेंगलुरु में पुनर्वास के दौर से गुजर रही है और अनुभवी डिफेंडर है। दीप ग्रेस एक्का को उपकप्तान बनाया गया है। टीम में गोलकीपर रजनी एतिमारपू और डिफेंडर गुरजीत कौर, निक्की प्रधान और उदिता शामिल हैं। मिडफील्ड में निशा, सुशीला चानू पुखरंबम, मोनिका, नेहा, सलीमा टेटे, ज्योति और नवजोत कौर शामिल हैं जबकि फॉरवर्ड लाइन में नवनीत कौर, लालरेम्सियामी, वंदना कटारिया, मारियाना कुजूर और शर्मिला देवी शामिल होंगी। टीम में दीपिका (जूनियर) और इशिका चौधरी शामिल हैं जो इस आयोजन के लिए दो रिप्लेसमेंट एथलीट होंगी। मुख्य कोच जननेके शोपमैन ने कहा कि यह हमारे लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण टूर्नामेंट है और मैं उस टीम से खुश हूं जिसे हमने चुना है जो कुछ अनुभवी खिलाड़ियों के साथ-साथ प्रतिभाशाली युवाओं का मिश्रण है जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काफी संभावनाएं दिखाई हैं। हालांकि हम इस बात से थोड़ा निराश थे कि कैसे एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में हमारे लिए चीजें खत्म हो गईं। हम बेंगलुरु स्थित साई में शिविर में लौटने में सक्षम थे और इस चुनौती के लिए अच्छी तरह से तैयार करने के लिए हॉकी के कुछ अच्छे सत्रों में भाग लिया। गत चैंपियन को पूल ए में जापान, मलेशिया और सिंगापुर के साथ रखा गया है। वे अपने अभियान की शुरुआत 21 जनवरी को मलेशिया के खिलाफ और 23 जनवरी को जापान से खेलेंगे। भारत अपने आखिरी पूल ए मैच में 24 जनवरी को सिंगापुर से भिड़ेगा।

पिछले साल ऑस्ट्रेलिया में मिली सफलता, भारतीय क्रिकेट के महानतम प्रदर्शन में से एक : गावस्कर

मुंबई ।

पिछले साल ऑस्ट्रेलिया में चोटों से जूझने के बावजूद भारत की अविश्वसनीय टेस्ट जीत को याद करते हुए महान खिलाड़ी सुनील गावस्कर ने कहा कि यह प्रदर्शन टीम की अब तक की सबसे बड़ी सफलता में से एक है और इसे देश के क्रिकेट इतिहास का स्वर्णिम अध्याय माना जा सकता है। श्रृंखला के पहले टेस्ट की दूसरी पारी में अपने सबसे कम स्कोर महज 36 रन पर आउट होने और करारी शिकस्त झेलने के बाद भारतीय टीम ने शानदार वापसी करते हुए ऑस्ट्रेलिया को 2-1 से हराया। अजिंक्य रहाणे की कप्तानी में टीम ने मेलबर्न में जीत दर्ज की और फिर सिडनी में मुश्किल परिस्थियों में रविचंद्रन अश्विन और हनुमा विहारी के संघर्ष ने मैच को ड्रा करवाया। ऑस्ट्रेलिया का अभेद्य किला माना जाने वाला गाबा (ब्रिसबेन) मैदान पर खेले गये निर्णायक मैच में भारत ने आखिरी दिन ऋषभ पंत की शानदार बल्लेबाजी से यादगार जीत दर्ज की। गावस्कर ने कहा कि पिछले साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया में भारत की जीत भारतीय क्रिकेट इतिहास की सबसे बड़ी सफलता में से एक मानी जाएगी। अपने सबसे कम टेस्ट स्कोर 36 रन पर आउट होने के बाद मनोबल को उठाना और फिर एक बड़ी टीम को उसकी घरेलू सरजमीं पर हराना खिलाड़ियों के दृढ़ संकल्प के अलावा कप्तान, कोच रवि शास्त्री और उनके समर्थन समूह द्वारा निभाई गई नेतृत्व भूमिकाओं को दर्शाता हैं। पूर्व सलामी बल्लेबाज ने कहा कि मुझे इस दौरान वहां मौजूद रहने और भारतीय क्रिकेट के इतिहास के एक सुनहरा अध्याय को देखने का सौभाग्य मिला।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

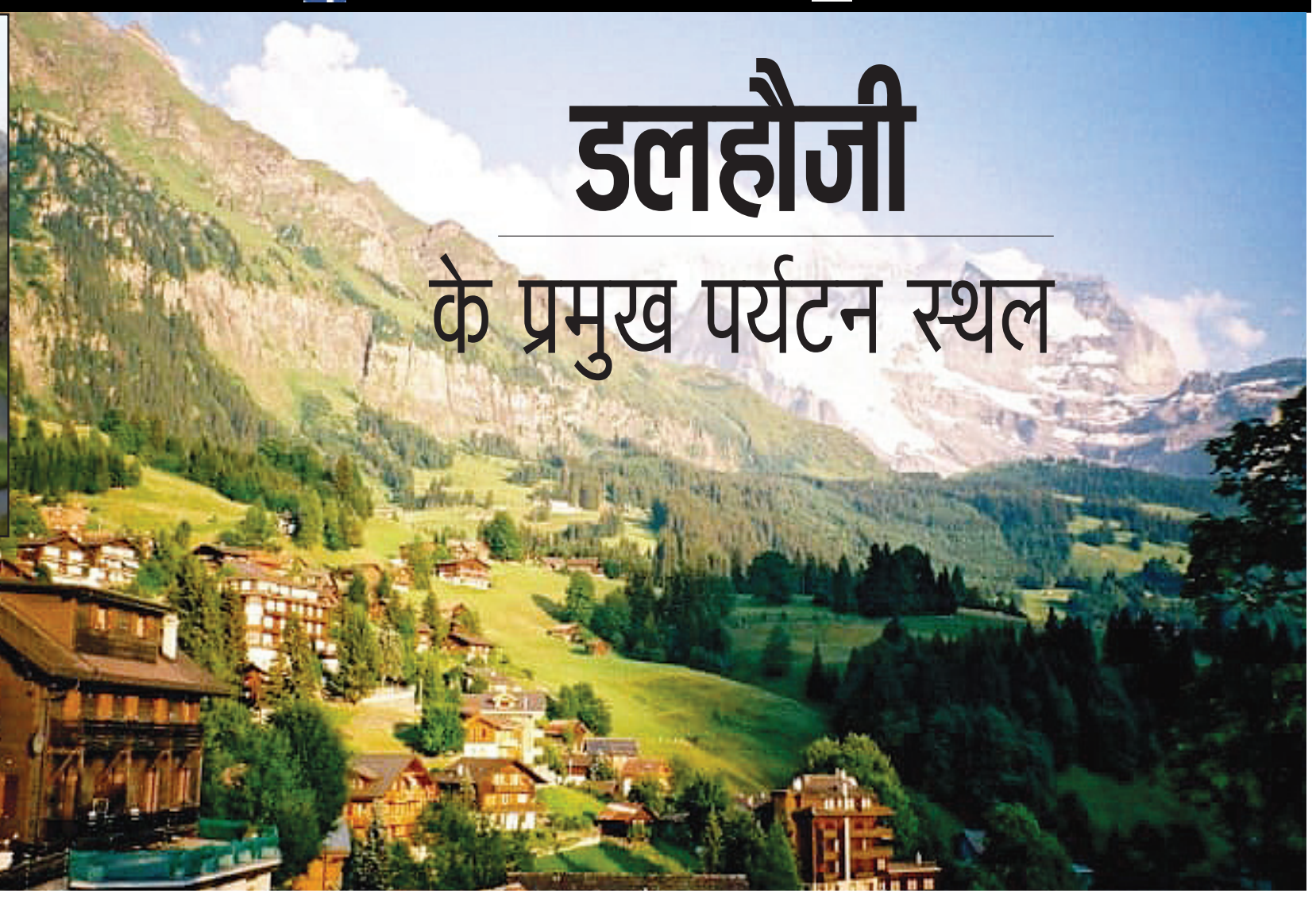

डलहौजी के प्रमुख पर्यटन स्थल

भीड़-भाड़ वाली जिंदगी से दूर जाकर सतधारा फाल्स में लीजिए शांति का अनुभव

सतधारा झरना या फाल्स हिमाचल प्रदेश की चंबा घाटी में स्थित है, जो बर्फ से ढके पहाड़ों और ताजे देवदार के पेड़ों के शानदार दृश्यों से घिरा हुआ है। 'सतधारा' का मतलब होता है सात झरने, इस झरने का नाम सातधारा सात खूबसूरत झरनों के जल के एक साथ मिलने की वजह से रखा गया है। इन झरनों का पानी समुद्र से 2036 मीटर ऊपर एक बिंदु पर मिलता है। यह जगह उन लोगों के लिए एक खास है, जो शहर की भीड़-भाड़ वाली जिंदगी से दूर जाकर शांति का अनुभव करना चाहते हैं। सतधारा फाल्स अपने औषधीय गुणों की वजह से भी जानी जाती है, क्योंकि यहां के पानी में अभ्रक पाया जाता है, जिसमें त्वचा के रोग ठीक करने के गुण होते हैं।

अगर आप डलहौजी के पास घूमने की अच्छी जगह तलाश रहे हैं तो सतधारा फाल्स आपके लिए एक अच्छी जगह है। इसे स्थानीय भाषा में 'गंडक' के नाम से जाना जाता है। यहां का पानी साफ क्रिस्टल और निर्मल है। राजसी सतधारा झरने का पानी की बूंदे जब चट्टानों पर टकराकर उछलती हैं तो पर्यटकों को बेहद आनंदित करती हैं। यहां पानी से गीली हुई मिट्टी की खुशबू हवा को ताजा कर देती है। सतधारा जलप्रपात को चारों ओर का दृश्य अपनी भव्यता के साथ दर्शकों को बेहद प्रभावित करता है। अगर आप सतधारा फाल्स घूमने के अलावा इसके पर्यटन स्थलों की सैर भी करना चाहते हैं तो इस आर्टिकल को पूरा जरूर पढ़ें, इसमें हमने सतधारा फाल्स जाने के बारे में और इसके पास के पर्यटन स्थलों के बारे में पूरी जानकारी दी है।

सतधारा जलप्रपात की मुख्य विशेषताएं

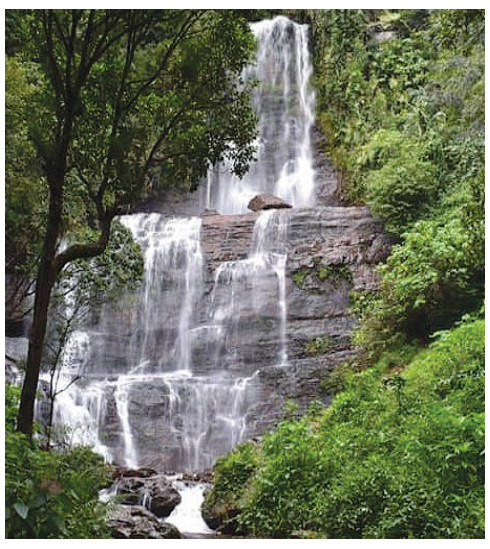

सतधारा जलप्रपात का अपना अलग औषधीय मूल्य है। स्प्रिंग्स में तत्व माइका तत्व पाया जाता है, जिसमें ऐसे औषधीय गुण होते हैं, जो संभावित रूप से कई बीमारियों का इलाज कर सकता है। यह चकाचौंध वाला झरने पंचपुला के रास्ते में स्थित हैं, जो डलहौजी में घूमने के लिए एक और बहुत ही लोकप्रिय जगह है। सतधारा झरने से सूर्यास्त का दृश्य बस शानदार दिखाई देता है, पर्यटकों को देखने में ऐसा लगता है कि एक पीली आग की नारंगी गेंद घूमती है और धीरे-धीरे पहाड़ियों के पीछे छुप जाती है।

सतधारा फाल्स घूमने के लिए टिप्स

- जब आप झरने के क्षेत्र में प्रवेश कर सकते हैं और इसमें चारों ओर छींटे आपके कपड़ों को गीला कर सकते हैं, इसलिए अतिरिक्त कपड़ें ले जाना न भूलें।
- फॉल्स से सूर्यास्त देखने के लिए वहां उपस्थित रहने की कोशिश करें।
- ऐसे जूते पहनें जो आपको अच्छी पकड़ और आराम दें, क्योंकि चट्टानों में काई से फिसलन होती है।
- अपने साथ कैमरा ले जाना न भूलें।

सतधारा फाल्स के आसपास के प्रमुख पर्यटन और आकर्षण स्थल

सतधारा फाल्स डलहौजी का एक प्रमुख पर्यटन स्थल है, जो शहर से 5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। अगर आप इस फाल्स के अलावा डलहौजी के प्रमुख पर्यटन स्थलों की सैर करना चाहते हैं तो यहां दी गई जानकारी को जरूर पढ़ें।

बकरोटा हिल्स

बकरोटा हिल्स जिसे अपर बकरोटा के नाम से भी जाना जाता है, यह डलहौजी का सबसे ऊंचा इलाका है और यह बकरोटा वॉक नाम की एक सड़क का सर्किल है, जो खजियार की ओर जाती है। भले ही इस जगह पर पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए बहुत कुछ नहीं है, लेकिन यहां टहलना और चारों तरफ के आकर्षक दृश्यों को देखना पर्यटकों की आंखों को बेहद आनंद देता है। आपको बता दें कि यह क्षेत्र चारों तरफ से देवदार के पेड़ों और हरी-भरी पहाड़ियों से घिरा हुआ है।

सच पास

सच दर्रा पीर पंजाल पर्वत श्रृंखला के ऊपर 4500 मीटर की ऊंचाई से होकर जाता है और डलहौजी को चंबा और पांगी घाटियों से जोड़ता है। आपको बता दें कि डलहौजी से 150 किमी की दूरी पर यह मार्ग उत्तर भारत में पार करने के लिए सबसे कठिन मार्गों में से एक है, जो लोग एडवेंचर पसंद करते हैं तो अक्सर सच पास (जब यह खुला होता है) का दौरा करते हैं और यहां से बाइक या कार चलाने का रोमांचक अनुभव लेते हैं। अगर आप इस मार्ग से यात्रा करें तो जोखिम न लें और अपने साथ एक अनुभवी ड्राइवर लेकर जाएं। यह चंबा या पांगी घाटी तक पहुंचने के लिए लोगों का पसंदीदा रास्ता है और डलहौजी से ट्रेकिंग के लिए एक प्रसिद्ध बिंदु है।

सुभाष बावली

सुभाष बावली डलहौजी में गांधी चौक से 1 किमी दूर स्थित एक ऐसी जगह है, जिसका नाम प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी सुभाष चंद्र बोस के नाम पर रखा गया। सुभाष बावली एक ओर अपने खूबसूरत प्राकृतिक दृश्यों, दूर-दूर तक फैले बर्फ के पहाड़ों दृश्यों और सुंदरता के लिए जाना जाता है। सुभाष बावली वो जगह है, जहां पर सुभाष चंद्र बोस 1937 में स्वास्थ्य की खराबी के चलते आए थे और वो इस जगह पर 7 महीने तक रहे थे। इस जगह पर रहकर वे बिलकुल ठीक हो गए थे। आपको बता दें कि यहां पर एक खूबसूरत झरना भी है, जो हिमनदी धारा में बहता है।

डैनकुंड पीक

डैनकुंड पीक जिसे सिंगिंग हिल के नाम से भी जाना जाता है, जो डलहौजी में समुद्र तल से 2755 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। आपको बता दें कि यह डलहौजी में सबसे ऊंचा स्थान होने के कारण यहां से घाटियों और पहाड़ों के अद्भुत दृश्यों को देखा जा सकता है। प्रकृति प्रेमियों के लिए शांत जगह स्वर्ग के सामान है। डलहौजी क्षेत्र में स्थित डैनकुंड सचमुच देखने लायक जगह है, जो अपनी खूबसूरत बर्फ से ढकी चोटियों और हरे-भरे वातावरण के लिए प्रसिद्ध है। डैनकुंड पीक हर साल भारी संख्या में देश भर से पर्यटकों को अपनी तरफ आकर्षित करती है।

गंजी पहाड़ी

गंजी पहाड़ी पठानकोट रोड पर डलहौजी शहर से 5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित एक सुंदर पहाड़ी है। इस पहाड़ का नाम गंजी पहाड़ी इसकी खास विशेषता से लिया गया था, क्योंकि इस पहाड़ी पर वनस्पतियों की पूर्ण अनुपस्थिति है। गंजी का मतलब होता है गंजापन। डलहौजी के पास स्थित होने की वजह से यह पहाड़ी एक पसंदीदा पिकनिक स्थल है। सर्दियों के दौरान यह इलाका मोटी बर्फ से ढक जाता है, जो मनोरम दृश्य प्रस्तुत करता है।

चामुंडा देवी मंदिर

चामुंडा देवी मंदिर देवी काली को समर्पित एक महत्वपूर्ण धार्मिक केंद्र है। इस मंदिर के बारे में कहा जाता है कि यहां पर देवी अंबिका ने मुंडा और चंदा नाम के राक्षसों का वध किया था। इस मंदिर में देवी को एक लाल कपड़े में लपेटकर रखा जाता है, यहां आने वाले पर्यटकों को देवी की मूर्ति को छूने नहीं दिया जाता। इस क्षेत्र में पर्यटकों को कई सुंदर दृश्य भी देखने को मिलते हैं।

रॉक गार्डन

रॉक गार्डन डलहौजी में एक सुंदर उद्यान और एक लोकप्रिय पिकनिक स्थल है। इस पार्क में पर्यटक आराम करने के अलावा, इस क्षेत्र में उपलब्ध कई साहसिक खेलों का भी मजा ले सकते हैं, जिनमें जिप लाइनिंग आदि शामिल हैं।

खाज्जिअर

खाज्जिअर डलहौजी के पास स्थित एक छोटा सा शहर है जिसको 'मिनी स्विट्ज़रलैंड' या 'भारत का स्विटजरलैंड' के नाम से भी जाना जाता है। इस स्थान की खूबसूरती हर किसी को अपनी ओर आकर्षित करती है। 6,500 फीट की ऊंचाई पर स्थित खाज्जिअर अपनी प्राकृतिक सुंदरता की वजह से डलहौजी के पास घूमने की सबसे अच्छी जगहों में से एक हैं। इस जगह होने वाले साहसिक खेल जोरबिंग, ट्रेकिंग पर्यटकों को आकर्षित करते हैं।

पंचपुला

पंचपुला हरे देवदार के पेड़ों के आवरण से घिरा एक झरना है, जो डलहौजी के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक है। पंचपुला वो जगह है, जहां पर पांच धाराएं एक साथ आती हैं। पंचपुला की मुख्य धारा डलहौजी के आसपास विभिन्न जगहों में पानी की पूर्ति करती है। यह जगह ट्रेकिंग और खूबसूरत दृश्यों की वजह से जानी जाती है। पंचपुला के पास एक महान क्रांतिकारी सरदार अजीत सिंह (शहीद भगत सिंह के चाचा) की याद में एक समाधि बनाई गई है, जहां उन्होंने अंतिम सांस ली थी। मानसून के मौसम में इस जगह के प्राचीन पानी का सबसे अच्छा आनंद लिया जाता है, जब पानी गिरता तो यहां का वातावरण पर्यटकों को आनंदित करता है।

डलहौजी जाने के लिए यह है सबसे अच्छा समय

डलहौजी अपनी आदर्श जलवायु की वजह से एक ऐसी जगह है, जहां आप पूरे वर्ष भर घूम सकते हैं। हालांकि, डलहौजी जाने का सबसे अच्छा समय मार्च-जून के बीच का होता है। मार्च और अप्रैल के महीनों में यहां पर बर्फ पिघलना शुरू हो जाती है और जब सूरज की किरणें बर्फ से ढके पहाड़ों और चरागाहों से टकराती है, तब इस जगह की चमक देखने लायक होती है। इस समय यहां का मौसम बहुत सुहावना रहता है आप मार्च और अप्रैल में ठंड का अनुभव कर सकते हैं और जून के महीने में यहां का तापमान थोड़ा बढ़ने लगता है। गर्मियों के महीनों में भी डलहौजी का मौसम काफी अच्छा होता है, जिसकी वजह से यह प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग के सामान है। मानसून भी यहां का मौसम सुहावना है, क्योंकि मध्यम वर्षा से आपकी योजनाओं में कोई रुकावट नहीं आती। डलहौजी में सर्दियां साहसिक गतिविधियों के लिए सही हैं।

हवाई जहाज से सतधारा फाल्स ऐसे पहुंचें: हवाई जहाज से डलहौजी पहुंचने कांगड़ा में गग्गल हवाई अड्डा इसका सबसे निकटतम घरेलू हवाई अड्डा है। यह हवाई अड्डा शहर से 13 किमी दूर है और यहां से डलहौजी हिल स्टेशन तक पहुंचने के लिए टैक्सी आसानी से उपलब्ध हैं। इसके अलावा आप अन्य हवाई अड्डे चंडीगढ़ (255 किमी), अमृतसर (208 किमी) और जम्मू (200 किमी) के लिए भी उड़ान ले सकते हैं।

रेलगाड़ी से सतधारा फाल्स ऐसे पहुंचें: डलहौजी का सबसे निकटतम रेल स्टेशन पठानकोट है, जो इस पहाड़ी शहर से 80 किमी दूर स्थित है और भारत के विभिन्न शहरों, जैसे दिल्ली, मुंबई और अमृतसर से कई ट्रेनों के माध्यम से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है। पठानकोट रेलवे स्टेशन से डलहौजी पहुंचने के लिए आपको बाहर से टैक्सियां मिल जाएंगी।

सड़क मार्ग से सतधारा फाल्स ऐसे पहुंचें: डलहौजी सड़क मार्ग की मदद से आसपास के प्रमुख शहरों और जगहों से जुड़ा हुआ है। राज्य बस सेवा और लक्जरी कोच डलहौजी को आसपास की सभी प्रमुख जगहों और शहरों से जोड़ते हैं। दिल्ली से डलहौजी के लिए रात भर लक्जरी बसें भी उपलब्ध हैं। इस मार्ग पर टैक्सी और निजी वाहन भी मिल जाते हैं।

स्त्री की देह के आकार वाली है रेणुका झील

रेणुका झील हिमाचल प्रदेश के नाहन से लगभग 40 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। रेणुका झील की समुद्र तल से ऊंचाई लगभग 2200 फीट है। यह एक अत्यंत रमणीक झील है, जो लगभग तीन किलोमीटर लंबी तथा आधा किलोमीटर चौड़ी एक अदभुत झील है। इस झील का आकार एक लेटी हुई स्त्री की देह के समान है। जो इसे अदभुत एवं अनोखा बनाता है।

इस झील के चारों ओर हरियाली एवं इसके पानी मे अठखेलियां करती मछलियां पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। इस झील की गणना एक पावन तीर्थ स्थल के रूप में भी की जाती है। हर वर्ष दिपावली के लगभग दस दिन बाद यहां एक विशाल मेले का आयोजन किया जाता है, जिसमें हजारों श्रद्धालु भाग लेते हैं। झील के किनारे मां रेणुका और परशुराम का प्रसिद्ध मंदिर है तथा एक छोटा सा चिडियाघर है, जो पर्यटकों को काफी पसंद आता है। झील में मनोरंजन के लिए बोटिंग करने की सुविधा उपलब्ध है, जिसमें बैठकर सैलानी झील के चारों ओर की प्राकृतिक सुंदरता के दर्शन कर सकते हैं, रेणुका झील का स्त्री रूपी आकार देखने के लिए यहा से आठ किलोमीटर ऊपर जामु चोटी पर जाना पड़ता है। जहां से रेणुका झील का आकार लेटी हुई स्त्री की देह के समान दिखाई पड़ता है।

रेणुका झील का इतिहास

रेणुका झील कैसे बनी और इसकी धार्मिक महत्व के पीछे कई मशहूर दंत कथाए प्रचलित हैं। एक कहानी के अनुसार कहा जाता है कि बहुत समय पहले यहां राजा रेणु रहा करते थे। उनकी दो सुंदर पुत्रियां थी, जिनमें से एक नैनुका तथा दूसरी पुत्री रेणुका थी। एक बार राजा ने दोनो पुत्रियों से प्रश्न किया कि वो किसका दिया खाती हैं, जिसके जवाब में नैनुका ने कहा कि वह अपने पिता का दिया खाती है। जबकि रेणुका ने जवाब दिया कि वह भगवान का दिया और अपने नसीब का खाती हूं। रेणुका के जवाब से राजा अप्रसन्न हो गए और उन्होंने रेणुका को सबक सिखाने का निर्णय लिया। कुछ समय बाद राजा ने बड़ी पुत्री नैनुका का विवाह बड़ी धूम-धाम से एक पराक्रमी राजा सहस्त्रबाहु से कर दिया और छोटी पुत्री रेणुका को सबक सिखाने रेणुका का विवाह एक सीधे साधे तपस्वी ऋषि जमदग्नि से कर दिया। हालांकि रेणुका राजसी ठाठ-बाट मे पली बढ़ी थी। फिर भी उसने ऋषि जमदग्नि को अपना पति स्वीकार किया और तन मन से उसकी सेवा करने लगी। एक दिन राजा सहस्त्रबाहु की दृष्टि रेणुका पर पड़ी तो वह उसे देखता ही रह गया। वास्तव में रेणुका का रूप लावण्य उसके हृदय में उतर गया था। उसने उसी समय रेणुका को अपनी रानी बनाने का फैसला किया और रेणुका को पाने की युक्ति सोचने लगा। अपने षड्यंत्र के तहत एक दिन वह चुपचाप ऋषि जमदग्नि के आश्रम पहुंचा और ध्यानमग्न जमदग्नि को उसने अपने बाण से मार डाला। उसके बाद वह रेणुका का चीरहरण करने उसकी तरफ बढ़ा। रेणुका सहस्त्रबाहु के अपवित्र इरादों को भांप गई और भागकर नीचे तलहटी मे जा पहुंची। सहस्त्रबाहु रेणुका का पीछा करता हुआ, उसके पीछे दौड़ा। इससे पहले वह रेणुका को पकड़ पाता। एकाएक धरती फटी और देखते ही देखते रेणुका उसमें समा गई। रेणुका के धरा में समाते ही पानी की धाराएं फूट पड़ी और देखते ही देखते उस स्थान ने एक झील का रूप धारण कर लिया। तभी से यह झील रेणुका झील के नाम से प्रसिद्ध हो गई।

रेणुका झील कैसे पहुंचें

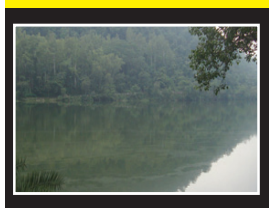

हवाई मार्ग

मुब्बार हटटी यहां का सबसे नजदीकी हवाई अड्डा है, जो यहां से 40 किमी की दूरी पर स्थित है। यहां से टैक्सी द्वारा जाया जा सकता है।

रेल मार्ग

यहां का सबसे नजदीकी रेलवे स्टेशन कालका है, जो लगभग 110 किलोमीटर की दूरी पर है। यहां से आप बस या टैक्सी के द्वारा जा सकते हैं।

सड़क मार्ग

यह स्थल सड़क मार्ग से जुड़ा है।

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रूसी सेना ने यूक्रेन को 3 ओर से घेरा-नाटो पर उलझी बात; रूस बोला- यूक्रेन को नाटो में नहीं लेने का लिखित वादा दे अमेरिका

जिनेवा। यूक्रेन को एक लाख से ज्यादा रूसी सेना ने तीन तरफ से घेर रखा है। रूसी घेराबंदी और यूक्रेन पर हमले की आशंका के बीच जिनेवा में रूस और अमेरिका के बीच चल रही वार्ता के दूसरे दिन मंगलवार को भी गतिरोध कायम था। रूसी उप विदेश मंत्री

रायबाकोव ने अमेरिकी उप विदेश मंत्री वेंडी शर्मन को एक सूत्री शर्त रखी। रूस का कहना है कि अमेरिका यूक्रेन को सैन्य संगठन नाटो में शामिल नहीं करे।

रूसी सूत्रों के अनुसार वे अमेरिका के साथ स्पष्ट हल चाहते हैं। दरअसल रूस की नाटो सेनाओं को अपने दरवाजे से दूर रखना चाहता है। अमेरिका ने फिलहाल यूक्रेन को नाटो में शामिल करने के बारे में कोई वादा नहीं किया है। रूसी सेनाएं यूक्रेन को पूर्वी क्षेत्र के सोलोटी और बोगुचार, जबकि उत्तरी क्षेत्र में पोचेप से घेरे हुए हैं। सैन्य विशेषज्ञों का कहना है कि रूस लगातार यूक्रेन की सीमा पर अपना सैन्य जमावड़ा बढ़ा रहा है। अतिरिक्त सैनिक भी तैनात हैं।

प्रो. चार्ल्स कप्शन अभी अमेरिका के वाल्श स्कूल ऑफ फॉरेन सर्विस ऐंड डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट के प्रोफेसर हैं। उनका कहना है कि इस गतिरोध में भारत के पास पश्चिमी देशों व रूस के बीच मध्यस्थता का मौका है। अमेरिकी प्रतिबंध लगे तो रूस चीन की ओर झुक सकता है।

कजाकिस्तान संकट: 10 दिन में रूसी सैनिकों की मुल्क वापसी होगी, हिंसा के आरोप में अब तक 10 हजार लोग गिरफ्तार

नूरसुल्तान। पिछले हफ्ते हिंसा और तख्तापलट की साजिश से जूझने वाले कजाकिस्तान में जिंदगी पटरी पर लौटने लगी है। हिंसा में अब तक 164 लोगों के मारे जाने की पुष्टि हो चुकी है। कजाकिस्तान की मदद के लिए रूस ने करीब ढाई हजार सैनिक एयरड्रॉप किए थे। हिंसा थमने के बाद अब गुरुवार से इनकी मुल्क वापसी शुरू होगी और यह 10 दिन में पूरी हो जाएगी। कजाकिस्तान के राष्ट्रपति तोकायेव ने खुद यह जानकारी दी है। तोकायेव का यह बयान इसलिए अहम है, क्योंकि पश्चिमी मीडिया की कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा था रूसी सैनिक यहां लंबे समय रह सकते हैं।

रूसी सैनिक काम आए

अलमाती शहर में हिंसा करने वाले लोगों को राष्ट्रपति ने आतंकी करार दिया। हिंसा में करोड़ों रुपए की सरकारी संपत्ति तबाह हो गई है। पिछले गुरुवार को यहां कलेक्टिव ट्रीटी ऑर्गनाइजेशन संगठन के सैनिक कजाक सरकार की मदद के लिए पहुंचे थे। इन्होंने यहां हिंसा खत्म करने में मदद की। इनमें ज्यादातर रूसी सैनिक थे। तोकायेव ने कहा- CSTO के सैनिकों ने अपना काम पूरा कर दिया है। अब मुल्क में शांति हैं। गुरुवार से इन सैनिकों की वापसी शुरू हो जाएगी। 10 दिन में यह काम पूरा कर लिया जाएगा। इन सैनिकों ने अपने मिशन को बखूबी अंजाम दिया। हम उनका शुक्रिया अदा करते हैं।

तालिबान ने दी ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान को चेतावनी, कहा अफगान विमान वापस करें या परिणाम भुगतने को तैयार रहें

काबुल। तालिबान ने ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान को चेतावनी दे डाली है। तालिबान के कार्यवाहक रक्षा मंत्री मावलवी मोहम्मद याकूब मुजाहिद ने बयान दिया, जिसमें कहा गया कि ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान को अफगान विमान वापस करना होगा, नहीं तो वें परिणाम भुगतने को तैयार रहें।

न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, काबुल के एक समारोह में जहां वायु सेना का अभ्यास भी चल रहा था, उस में बोलते हुए तालिबान के कार्यवाहक रक्षा मंत्री मावलवी मोहम्मद याकूब मुजाहिद ने कहा कि जो सैन्य विमान विदेश ले गए थे, अब समय आ गया है कि उन्हें वापस कर दिया जाना चाहिए। मुजाहिद ने खुली चेतावनी देते हुए कहा कि अगर जिन देशों ने सैन्य विमान ले लिए हैं, उन्होंने उन्हें वापस नहीं किया, तो उन्हें इसका परिणाम भुगतना होगा। मुजाहिद ने कहा, ' विमान जो ताजिकिस्तान या उज्बेकिस्तान में मौजूद हैं उन्हें जल्द से जल्द वापस किया जाना चाहिए, हम इन विमानों को विदेश में रहने या उन देशों द्वारा इस्तेमाल किए जाने की अनुमति नहीं देंगे।'

बड़बोले इमरान: पाक पीएम ने कहा- भारत से अच्छे हैं पाकिस्तान के आर्थिक हालात, दूसरी तरफ आईएमएफ से मांगी एक अरब डॉलर की मदद

बर्लिन। भले ही पाकिस्तान कितने ही बड़े आर्थिक उथल-पुथल से गुजर रहा हो। देश में महंगाई अपने चरम पर हो। विदेशी कर्ज बढ़ता जा रहा हो, इसके बाद भी पाक पीएम इमरान खान का मानना है कि उनके मुल्क के आर्थिक हालात भारत से अच्छे हैं। मंगलवार को इस्लामाबाद में हुई इंटरनेशनल चैंबर्स समिट 2022 के उद्घाटन सत्र में इमरान खान ने कहा कि वित्तीय समस्या से जूझ रहे देशों, खासकर भारत से अच्छे हालात पाकिस्तान के हैं।

पाक पीएम यहीं नहीं रुके, उन्होंने आगे कहा कि अभी भी पाकिस्तान दुनिया के अन्य देशों के मुकाबले सबसे सस्ते

देशों में से एक है। विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि भले ही वह सरकार को बेकार करार देते हों, लेकिन हकीकत यह है कि हमारी सरकार ने देश को हर संकट से उबारा है।

पाकिस्तान में तेल की कीमतें भी कम

इमरान खान ने कहा कि कई देशों की तुलना में पाकिस्तान में तेल की कीमतें भी कम हैं। बताया कि, पाकिस्तान ने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष से मांगी गई मदद के तहत एक वित्त विधेयक भी संसद में पेश किया है। अगर वह बिल पास हो जाता है तो पाकिस्तान को एक अरब डॉलर की सहायता राशि देने का रास्ता साफ हो जाएगा।

विपक्ष कर रहा इमरान के इस्तीफे की मांग - इधर, पाकिस्तान में बढ़ती मुद्रास्फीति और विदेशी कर्ज पर विपक्ष इमरान सरकार पर हमलावर है। यहां तक कि विपक्ष उनके इस्तीफे की भी मांग कर रहा है। विपक्षी नेता शाहबाज शरीफ ने तो इमरान सरकार को झूठा और बेईमान तक कह दिया है। कहा कि- इमरान सरकार ने देश से पार्टी को मिले विदेशी चंदे की बात छिपाई है। ऐसे झूठे व्यक्ति को पाक पीएम के पद पर रहने का कोई अधिकार नहीं है।

गार्सेटी होंगे भारत में नए अमेरिकी राजदूत

सीनेट की कमेटी करेगी पुष्टि, केनेथ जस्टर का स्थान लेंगे

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने भारत में नए राजदूत के रूप में लास एंजलिस के मेयर एरिक गार्सेटी को नियुक्त किया है। अमेरिकी सीनेट की विदेश मामलों की कमेटी सीनेट से मंजूरी मिलने के बाद 50 वर्षीय गार्सेटी मौजूदा अमेरिकी राजदूत केनथ जस्टर का स्थान लेंगे।

गार्सेटी ने यह जिम्मेदारी स्वीकार करते हुए, भारत में राजदूत नियुक्त किए जाने पर प्रसन्नता जताई है। अमेरिकी समयानुसार 12 जनवरी को सुबह 9 बजे सीनेट की समिति उनकी नियुक्ति के प्रस्ताव पर मतदान करेगी। गार्सेटी के नाम का प्रस्ताव राष्ट्रपति बाइडन ने शुक्रवार को दिया था। अमेरिकी संसद के उच्च सदन सीनेट से मंजूरी मिलने के बाद 50 वर्षीय गार्सेटी मौजूदा राजदूत केनथ जस्टर का स्थान लेंगे। लास एंजलिस के मेयर एरिक गार्सेटी ने ट्वीट कर कहा, 'राष्ट्रपति जो बाइडन ने मुझे भारत में अमेरिकी राजदूत के रूप में काम करने के लिए मनोनीत किया है। मैं इस नियुक्ति को स्वीकार करते हुए बेहद सम्मानित महसूस कर रहा हूं।'

पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल में केनेथ जस्टर को भारत में अमेरिकी राजदूत

नियुक्त किया गया था। व्हाइट हाउस ने कई अन्य राजदूतों के साथ गार्सेटी के मनोनयन की घोषणा की। गार्सेटी 2013 से लास एंजलिस के मेयर हैं। वह लास एंजलिस मेट्रो की जिम्मेदारी भी संभाल रहे हैं। वे सी 40 संगठन को भी संभालते हैं। इसमें दुनिया के 97 सबसे बड़े शहर शामिल हैं। यह संगठन जलवायु से संबंधित कार्य करता है।

तानाशाही : उत्तर कोरिया ने अब हाइपरसोनिक मिसाइल का किया परीक्षण, फिर दी दुनिया को चुनौती

प्योंगयांग। उत्तर कोरिया ने एक बार फिर दुनिया को चुनौती दे डाली है। एक दिन पहले बैलेस्टिक मिसाइल का परीक्षण करने वाले इस देश ने अब हाइपरसोनिक मिसाइल का परीक्षण किया है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के हवाले से यह खबर सामने आई है। देश के तानाशाह किम जोंग उन ने पिछले दिनों रक्षा कार्यक्रमों को बढ़ावा देने की बात कही थी। मंगलवार को किया था पिछली बार से ज्यादा उन्नत मिसाइल का किया परीक्षण

उत्तर कोरिया ने एक और बैलिस्टिक मिसाइल परीक्षण किया जिसे हाल ही में कुछ समय पहले दागी गई हाइपरसोनिक मिसाइल से ज्यादा सक्षम माना जा रहा है। उत्तर कोरिया ने एक सप्ताह से भी कम समय में नया परीक्षण किया है जो बताता है कि प्योंगयांग किस तेजी से उन्नत हथियार विकसित करने में जुटा है। दक्षिण कोरिया व जापान की सेनाओं ने इस परीक्षण की पुष्टि की।

दक्षिण कोरियाई साझा प्रमुखों के स्टाफ ने बताया, मौजूदा मिसाइल ने ध्वनि से 10 गुना अधिक रफ्तार से 60 किमी की अधिकतम ऊंचाई तक 700 किमी (435 मील) की यात्रा की। जापान के पीएम फुमियो किशिदा ने कहा, यह अत्यंत खेदजनक है कि उत्तर कोरिया लगातार मिसाइल दाग रहा है।

अमेरिका ने परमाणु प्रोग्राम त्यागने को कहा

अमेरिका और उसके पांच सहयोगियों ने उत्तर कोरिया से अनुरोध किया कि वह अपने प्रतिबंधित

परमाणु एवं बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम को त्याग दे। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से प्योंगयांग के मिसाइल प्रक्षेपणों समेत उसके निरंतर, अस्थिर करने वाले और गैर कानूनी कदमों का विरोध करने की भी अपील की।

अंधियारी रात में उजियारे की आस : अफगानिस्तान में आधी आबादी ने बदला विरोध का तरीका, 'आवाज' को परवाज दे रहीं दीवारें

काबुल। अफगानिस्तान में तालिबान के सत्ता में लौटने के बाद विरोध प्रदर्शन कर रही महिलाओं और कार्यकर्ताओं ने इस्लामी अमीरात सुरक्षा बलों की हिंसा से बचने के लिए अपने विरोध का तरीका बदल दिया है। महिलाएं अब रात में दीवारों पर अपनी मांगों को लिखकर अपना विरोध जता रही हैं।

हालांकि भी यहां कुछ महिला कार्यकर्ताओं ने तालिबान शासन का विरोध जताया। महिला प्रदर्शनकारियों ने बताया कि उन्होंने सड़कों पर दिन के वक्त होने वाली हिंसा से बचने के लिए न सिर्फ दीवारों पर लिखना शुरू कर दिया है बल्कि लड़कियों के शिक्षा अधिकार, महिलाओं के काम का अधिकार, उनके कपड़ों की पसंद और सामाजिक व राजनीतिक जीवन में महिलाओं को शामिल करने के नारे लगाना जारी रखा है।

न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, आंदोलन का यह एक नया तरीका है। एक प्रदर्शनकारी तमाना रेजाई ने कहा, हमें लगातार धमकियों व हिंसा का सामना करना पड़ा है इसलिए हमने अपने मौलिक अधिकारों के लिए भित्ति चित्रों की तरफ अपना रुख किया और इसे जारी रखेंगे। एक अन्य प्रदर्शनकारी लेडा और अजीज गुल ने कहा, महिलाओं को कपड़े पहनने की हिदायतें दी जा रही हैं, हम चुप नहीं बैठेंगे और आवाज बुलंद करते रहेंगे।

80 फीसदी अफगानिस्तानी पत्रकारों ने पेशा बदला

तालिबान के देश पर कब्जे के बाद करीब

80 फीसदी अफगानिस्तानी पत्रकारों ने अपना पेशा बदल लिया है।

द खामा प्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, अफगानिस्तान के पत्रकार फाउंडेशन ने कहा है कि देश के पत्रकार सबसे खराब आर्थिक हालात से गुजर रहे हैं।

इसका एक बड़ा कारण 79 फीसदी की नौकरी चली जाना है। आंकड़े बताते हैं कि देश में 75 फीसदी तक मीडिया वित्तीय संकट के कारण बंद हो गया है। नंगरहार, लघमन, नूरिस्तान के पूर्वी प्रांतों में छह रेडियो स्टेशन बंद कर दिए गए हैं। देश में 40 प्रतिशत मीडिया आउटलेट ने काम करना बंद कर दिया है, और 80 प्रतिशत महिला पत्रकार और मीडियाकर्मी बेरोजगार हो गई हैं।

यूएन में भारत : तिरुमूर्ति ने कहा- आतंकवाद मानवता के सामने सबसे बड़ी चुनौती, सावधानी जरूरी

यूएन। भारत ने कहा है कि देशों को आतंकवादी कृत्यों के लिए बहाने देने के बारे में सावधान रहने की जरूरत है क्योंकि आतंकवाद के लिए कोई बहाना नहीं हो सकता है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत टीएस तिरुमूर्ति ने कहा कि मानवता के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक का मुकाबला करने के लिए इस मुद्दे पर खुद को बांटा नहीं जाना चाहिए।

भारत 2022 के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की आतंकवाद रोकथाम समिति की अध्यक्षता कर रहा है। तिरुमूर्ति ने कहा, सुरक्षा परिषद में आतंकवाद का मुकाबला हमारी प्राथमिकता है। बता दें, भारत वर्तमान में 15-राष्ट्रों की सुरक्षा परिषद का एक अस्थायी सदस्य है और इसका दो साल का कार्यकाल 31 दिसंबर, 2022 को समाप्त होगा। दिसंबर महीने में भारत अपने कार्यकाल में दूसरी बार शक्तिशाली संयुक्त राष्ट्र निकाय की अध्यक्षता करेगा। तिरुमूर्ति इस वर्ष के लिए आतंकवाद रोकथाम समिति के नए अध्यक्ष हैं। उन्होंने कहा, हम आतंकवाद के सभी रूपों एवं प्रकटीकरण के खिलाफ एकजुट रहने के महत्व को लगातार उजागर कर रहे हैं, और अपनी साझा प्रतिबद्धताओं को कम करने के खिलाफ सजग बने हुए हैं। साथ ही कहा, हमें समिति के गठन से पहले की तरह 'मेरे' और 'तुम्हारे' आतंकवादी के बीच बंटना नहीं चाहिए।

अध्ययन- हवा में घटती है कोरोना की 90 फीसदी 'ताकत', संक्रमण से बचने के लिए जरूर अपनाएं ये दो नियम

वॉशिंगटन। कोरोना वायरस के बढ़ते संक्रमण के बीच एक अध्ययन में दावा किया गया है कि हवा में आने के बाद (एयरबॉर्न) किसी व्यक्ति को संक्रमित करने की क्षमता 20 मिनट के भीतर 90 फीसदी तक कम हो जाती है। हालांकि एयरबॉर्न बनने के पांच मिनट के भीतर कोरोना संपर्क में आने वाले लोगों को अधिक नुकसान पहुंचा सकता है। साथ ही दुनिया के पहले अनुकरण (सिमुलेशन) से पता चला है कि हवा में वायरस कैसे जीवित रहता है।

शारीरिक दूरी और मास्क है जरूरी

इस अध्ययन से यह निष्कर्ष निकलता है कि कोविड-19 का संचरण हवा में थोड़ी देर के लिए ही होता है, इसलिए शारीरिक दूरी और मास्क लगाना ज्यादा प्रभावी हो सकता है। इससे कोरोना संक्रमण को रोकने में काफी मदद मिल सकती है। हालांकि, वायुसंचार को रोकना अभी भी सार्थक उपायों में से एक है, इससे कोरोना का प्रभाव कम पड़ने की संभावना है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिस्टल के एयरोसोल रिसर्च सेंटर के निदेशक और अध्ययन के प्रमुख लेखक प्रोफेसर जोनाथन रीड ने कहा, ÷लोग कम हवादार स्थानों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं और लोगों का मानना है कि एयरबॉर्न का संचरण एक मीटर तक या एक कमरे में ही हो सकता है। मैं यह नहीं कह रहा हूं कि ऐसा नहीं होता है, लेकिन मुझे लगता है कि संक्रमण का जोखिम सबसे ज्यादा तब होता है जब आप किसी संक्रमित व्यक्ति के करीब होते हैं।'

उन्होंने कहा, 'जब आप किसी संक्रमित व्यक्ति से दूर जाते हैं, तो न केवल एयरोसोल का प्रभाव कम होता है, बल्कि वायरस की संक्रमण क्षमता भी कम होती है

क्योंकि वायरस समय के परिणाम स्वरूप अपनी संक्रमित करने की क्षमता खो देता है।'

हवा के संपर्क में आने पर वायरस की संक्रमण क्षमता कम हो जाती है

शोधकर्ताओं का कहना है कि 'हवा वायरल कणों को सुखा देती है और हवा में कार्बन डाइऑक्साइड की कमी से वायरस का पीएच स्तर बढ़ जाता है, ये दोनों कारक वायरस को कम संक्रामक बनाते हैं। कोरोना वायरस की संक्रामकता कितनी जल्दी कम हो जाती है और इसमें आर्द्रता क्या भूमिका निभाती है, इस संबंध में शोधकर्ताओं ने पाया कि शुष्क हवा में कोरोना वायरस नम हवा की तुलना में तेजी से संक्रामकता खो देता है।

हवा में कितने समय तक जीवित रहता है वायरस?

एयरबॉर्न के बाद छोटे ड्राप्लेट्स में वायरस कितने समय तक जीवित रहता है? इस संबंध में अब तक हमारी धारणाएं उस अध्ययन पर आधारित है जिसमें एक सीलबंद बर्तन में रखकर वायरस के जीवित रहने का पता लगाया गया था, जिसे 'गोल्डबर्ग ड्रम' कहा जाता है। इस पद्धति का उपयोग करते हुए, अमेरिकी शोधकर्ताओं ने पाया था कि तीन घंटे के बाद भी संक्रामक वायरस जिंदा रह सकता है। लेकिन इस तरह के प्रयोग सटीक रूप से यह प्रमाणित नहीं करते हैं कि जब हम खांसते या सांस लेते हैं तो क्या होता है?

रीड ने कहा कि इसके बजाय, ब्रिस्टल विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने ऐसे उपकरण विकसित किए जो उन्हें किसी भी संख्या में छोटे, वायरस युक्त कण उत्पन्न करने, उसके परिवेश के तापमान, आर्द्रता और अल्ट्रावॉयोलेट प्रकाश तीव्रता को कसकर नियंत्रित करते हुए धीरे-धीरे उन्हें दो इलेक्ट्रिक रिंगों के बीच पांच सेकंड से 20 मिनट के बीच कहीं भी ले जाने की अनुमति देता है। उन्होंने कहा, 'यह पहली बार है जब कोई वास्तव में यह पता लगाने में सक्षम हुआ है कि सांस छोड़ने की प्रक्रिया के दौरान एयरोसोल का क्या होता है। नए उपकरण के जरिये यह परीक्षण किया गया कि गर्मी, नमी और प्रकाश की स्थिति के तहत छोटे हवाई कणों में कोविड-19 कितने समय तक जीवित रह सकता है।हालांकि इस अध्ययन की अभी तक समीक्षा नहीं की गई है।

शोधकर्ताओं ने सुझाव दिया कि चूंकि वायरल कण फेफड़ों की अपेक्षाकृत नमी और कार्बन डाइऑक्साइड युक्त स्थिति में बाहर आते हैं, जिसके बाद वे तेजी से नमी खो देते हैं और सूख जाते हैं और हवा में कार्बन डाइऑक्साइड की कमी से वायरस का पीएच स्तर बढ़ जाता है। ये दोनों कारक मानव कोशिकाओं को संक्रमित करने की वायरस की क्षमता को बाधित करते हैं, लेकिन जिस गति से कण सूखते हैं वह आसपास की हवा की सापेक्ष आर्द्रता के अनुसार भिन्न होता है।

शुष्क हवा में संक्रमण की संभावना कम

जब यह 50 फीसदी से कम होता है (कई कार्यालयों में पाई जाने वाली अपेक्षाकृत शुष्क हवा के समान), तो वायरस पांच सेकेंड के भीतर अपनी लगभग आधी संक्रामकता खो देता है। जिसके बाद संक्रमण में गिरावट की दर धीमी और अधिक स्थिर हो जाती और अगले पांच मिनट में यह 19 फीसदी और कम हो जाती है। 90 फीसदी आर्द्रता पर (लगभग भाप या शॉवर कक्ष के बराबर) संक्रमण में गिरावट धीरे-धीरे होती है, और 52 फीसदी कण पांच मिनट के बाद भी संक्रामक बने रहते हैं, 20 मिनट के बाद यह लगभग 10 फीसदी तक गिर जाता है। जिसके बाद दोनों स्थिति (शुष्क और आर्द्रता) में कोई अंतर नहीं होता है यानी वायरस का संक्रमण हवा में पांच मिनट से 20 मिनट के भीतर कम हो जाता है।

मोस्ट वांटेड आतंकी: अफगानिस्तान में मारा गया टीटीपी का मोहम्मद खुरासनी, पाक सेना को थी तलाश

इस्लामाबाद। पाकिस्तानी सेना की नाक में दम करने वाले तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के मोस्ट वांटेड आतंकी खालिद बटली उर्फ मोहम्मद खुरासनी को पाक सीमा से लगे अफगानिस्तान के पूर्वी नंगरहार प्रांत में मार गिराया गया। रक्षा सूत्रों ने बताया कि टीटीपी का शीर्ष कमांडर और प्रवक्ता खुरासनी पाकिस्तान में असैन्य नागरिकों व सुरक्षा बलों की हत्या में शामिल रहा है।

फिलहाल खुरासनी की मौत पर विस्तार से जानकारी नहीं दी गई है लेकिन वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी ने उसके मारे जाने की पुष्टि की है। सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि 50 वर्षीय मो. खुरासनी गिलगिट-बाल्टिस्तान क्षेत्र का रहने वाला था और 2007 में खैबर-पख्तूनख्वा प्रांत के स्वात घाटी स्थित आतंकी संगठन में शामिल हुआ था।

वह आतंकी सरगना मुल्ला फजलुल्ला का करीबी हो गया और बाद में उसे टीटीपी का मुखिया बना दिया गया। वह 2014 में टीटीपी का प्रवक्ता बन गया। पिछले साल अगस्त में तालिबान के सत्ता में आने के बाद वह अक्सर काबुल की यात्रा कर रहा था। टीटीपी और पाकिस्तानी सेना के बीच एक महीने के संघर्ष विराम के टूटने के बाद उसे मारा गया है। पिछले हफ्ते, पाक सेना ने कहा कि प्रतिबंधित टीटीपी की अस्वीकार्य शर्तों के साथ आने के बाद उससे जारी वार्ता खत्म हो गई थी।

टीटीपी-तालिबान ने कहा- नहीं मरा खुरासनी

पाकिस्तान के दावे पर टीटीपी ने एक बयान जारी करके कहा है कि उसका आधिकारिक प्रवक्ता मोहम्मद खुरासानी जिंदा हैं और ठीक हैं। हम मुफ्ती खालिद बटली की मौत की जांच कर रहे हैं जिनकी इस आंदोलन में कोई भूमिका नहीं है। तालिबान का दावा है कि खुरासनी के नाम से कई लोग सक्रिय हैं। हालांकि पाकिस्तान ने सिर्फ उसके मारे जाने की पुष्टि की है लेकिन कई मामलों पर स्थिति स्पष्ट नहीं की है।

आईएस ने तालिबान के स्थानीय खुफिया प्रमुख को मारा

आईएस ने पूर्वी प्रांत नंगरहार स्थित बाटी कोट जिले में तालिबान शासन की खुफिया एजेंसी के प्रमुख आबिद बशीर की हत्या कर दी। सूत्रों के मुताबिक, आईएस के आतंकियों ने सोमवार की रात बशीर पर घात लगाकर हमला किया। उस वक्त वह जिला क्षेत्र में गश्त कर रहा था। फिलहाल किसी समूह ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है लेकिन सूत्र ने बताया कि उसे आईएस ने ही मारा है।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में भारी बारिश से मरने वालों की संख्या हुई 18, राहत व बचाव अभियान जारी

पेशावर। पाकिस्तान में प्राकृतिक आपदा की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा (केपी) में भारी बारिश से संबंधित घटनाओं में मरने वालों की संख्या बढ़कर 18 हो गई। आपको बता दें कि 3 से 10 जनवरी तक बारिश और बर्फबारी के दौरान पाकिस्तान के केपी के विभिन्न हिस्सों में छत और दीवार गिरने के साथ-साथ भूस्खलन की घटनाओं में लगभग 46 लोग घायल हुए थे। न्यूज इंटरनेशनल की रिपोर्ट के अनुसार प्रांतीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (पीडीएमए) ने जानकारी देते हुए बताया कि 3 से 10 जनवरी तक केपी के विभिन्न जिलों में 109 से अधिक घर क्षतिग्रस्त हुए थे।

कोविड टीकाकरण कार्यक्रम की सफलता में युवाओं की भूमिका अहम

पुडुचेरी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के युवाओं में जिम्मेदारी की भावना की सराहना कर कहा कि इसी का परिणाम है कि 15 से 18 वर्ष के किशोरों को इतने कम समय में दो करोड़ से ज्यादा कोरोना टीके की खुराक दी जा चुकी है। उन्होंने कहा कि पूरे कोरोना काल में यही भावना भारत के युवाओं में दिखी। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने बेटियों की बेहतरी के लिए शादी की उम्र को 21 साल करने का निर्णय लिया है, ताकि वह भी अपना करियर बना पाएं। उन्होंने कहा कि ''आत्मनिर्भर भारत'' बनाने में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका है,इसकारण जरूरी है, कि यह क्षेत्र दुनिया में उभरती प्रौद्योगिकी का उपयोग करे। उन्होंने कहा कि आज दुनिया भारत को आशा भरी निगाहों से देख रही है कि क्योंकि देश का, जन से मन तक, सामर्थ्य से लेकर सपनों तक और चिंतन से लेकर चेतना तक सब कुछ युवा है। देश में कोरोना के खिलाफ लड़ाई का उल्लेख कर प्रधानमंत्री ने कहा, हमारे कोविड टीकाकरण कार्यक्रम की सफलता में युवाओं की भूमिका, एक अलग ही स्तर पर नजर आई है। हम देख रहे हैं कि किस तरह 15 से 18 वर्ष के युवा तेजी से खुद को टीके लगवा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इतने कम समय में दो करोड़ से ज्यादा किशोरों का टीकाकरण हो चुका है। उन्होंने कहा, ''यह हमारे किशोर... 15 से 18 साल के बाल साथियों... की जिम्मेदारी की भावना है और यह पूरे कोरोना काल में भारत के युवाओं में दिखी है। लड़कियों की शादी की वैधानिक उम्र 18 से 21 करने संबंधी केंद्र सरकार के फैसले का उल्लेख कर प्रधानमंत्री ने कहा कि यह उनकी सरकार के समानता के सिद्धांत पर आधारित है। उन्होंने कहा, हम जानते हैं कि बेटा-बेटी एक समान हैं। इसी सोच के साथ सरकार ने बेटियों की बेहतरी के लिए शादी की उम्र को 21 साल करने का निर्णय लिया है। बेटियां भी अपना करियर बनाएं, उन्हें ज्यादा समय मिले, इस दिशा में यह एक बहुत महत्वपूर्ण कदम है।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि विश्‍व भारत की ओर बड़ी उम्‍मीद और विश्‍वास से देख रहा है, क्‍योंकि उसके लोग और विचार युवा हैं। उन्होंने कहा, भारत के युवाओं के पास डेमोग्राफिक डिविडेंड के साथ-साथ लोकतांत्रिक मूल्य भी हैं, उनका डेमोक्रेटिक डिविडेंड भी अतुलनीय है। भारत अपने युवाओं को डेमोग्राफिक डिविडेंड के साथ साथ डवलपमेंट ड्राइवर भी मानता है।''

उन्होंने कहा, ''इसलिए भारत आज जो कहता है, दुनिया उस आने वाले कल की आवाज मानती है। आज जो भारत सपने देखता है, जो संकल्प लेता है, उसमें भारत के साथ-साथ विश्व का भी भविष्य दिखाई देता है। इस कड़ी में प्रधानमंत्री ने महर्षि अरविंदो, स्वामी विवेकानंद, भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, नेताजी सुभाषचंद्र बोस और महाकवि सुब्रमण्य भारती को युवाओं का प्रेरणास्रोत बताकर उनके योगदान का उल्लेख किया।

कोविड की वर्तमान परिस्थितियों के मद्देनजर इस महोत्सव का आयोजन डिजिटल माध्यम से हुआ है।इस मौके पर युवा व खेल मामलों के मंत्री अनुराग ठाकुर, पुडुचेरी के मुख्यमंत्री एन रंगास्वामी और पुडुचेरी की उप राज्यपाल तमिलसाई सौंदरराजन भी मौजूद थे।

भाजपा मुख्यालय के 42 कर्मचारी कोरोना पॉजिटिव

नई दिल्ली ।

भारत में तेजी से फैल रही कोरोना महामारी ने दिल्ली स्थिति सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) मुख्यालय तक दस्तक दे दिया है। सूत्रों के मुताबिक दिल्ली में भाजपा मुख्यालय 40 से अधिक कर्मचारी कोरोना संक्रमित पाए गए हैं। आपको बता दें कि भाजपा की कोर ग्रुप की बैठक से पहले सोमवार को सामूहिक

परीक्षण किया गया, जिससें 42 कर्मचारी कोविड पॉजिटिव पाए गए। सूत्रों ने कहा कि संक्रमित लोगों में कई सफाई कर्मचारी हैं। इन सभी को सेल्फ आइसोलेशन में रहने के लिए कहा गया है। सूत्रों ने यह भी कहा है कि मध्य दिल्ली के मिंटो रोड स्थित भाजपा मुख्यालय को बाद में पूरी तरह से साफ कर दिया गया है। भाजपा ने एक नया प्रोटोकॉल शुरू किया है। किसी भी बड़ी बैठक से पहले दिल्ली में उनके मुख्यालय के सभी कर्मचारियों का कोविड-19 के लिए परीक्षण किया जाएगा। भाजपा अधिकारी के हवाले से बताया, ÷केवल कार्यालय से संबंधित महत्वपूर्ण गतिविधियों में लगे लोग ही मुख्यालय में आ रहे हैं। आपको बता दें कि कल उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा की कोर कमेटी की बैठक पार्टी मुख्यालय में हुई थी। दूसरे दौर की बैठक आज होगी। इससे पहले सोमवार को भाजपा प्रमुख जेपी नड्डा ने खुद के कोरोना संक्रमित होने की पुष्टि की थी। उन्होंने लिखा था, ÷शुरुआती लक्षणों को देखने के बाद मैंने खुद को कोविड पॉजिटिव पाया। मैं अब ठीक महसूस कर रहा हूं। डॉक्टरों की सलाह पर, मैंने खुद को अलग कर लिया है। वे सभी जो पिछले कुछ समय में मेरे संपर्क में आए हैं, उनसे अनुरोध है कि वे अपना परीक्षण करवा लें।आपको बता दें कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज एस बोम्मई, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट भी कोरोना से संक्रमित हैं। मंगलवार को उत्तर प्रदेश में पार्टी के मामलों के प्रभारी भाजपा के शीर्ष नेता राधामोहन सिंह कोरोना संक्रमित हुए हैं। सोमवार रात लखनऊ में पार्टी के शीर्ष नेताओं की एक बैठक में वो शामिल हुए थे। इस बैठक में यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और यूपी भाजपा प्रमुख स्वतंत्र देव सिंह भी मौजूद थे। राधा मोहन सिंह नो खुद को सेल्फ क्वारंटीन कर लिया है। वहीं, स्वतंत्र देव सिंह ने 10 फरवरी से शुरू होने वाले सात चरणों के विधानसभा चुनाव के लिए मंगलवार सुबह भाजपा के घर-घर प्रचार अभियान को आगे बढ़ाया।

योगी आदित्यनाथ को अयोध्या में उतारने पर विचार कर रही है भाजपा

नई दिल्ली।

उत्तर प्रदेश में नेताओं की भगदड़ के बीच भाजपा आगामी विधानसभा चुनाव में योगी आदित्यनाथ को अयोध्या में उतारने पर विचार कर रही है। पीएम नरेंद्र मोदी इस प्रस्ताव पर अंतिम सहमति देंगे। सूत्र बताते हैं कि इस संभावना पर बीजेपी कोर ग्रुप की बैठक में चर्चा हुई। माना जा रहा है कि बीजेपी कोर ग्रुप इसके लिए तैयार है, बैठक में सीएम योगी भी शामिल थे। चुनाव समिति की बैठक में इस बारे में अंतिम फ़ैसला होगा जिसमें पीएम मोदी भी मौजूद रहेंगे। योगी को अयोध्या से लड़ाने पर पीएम मोदी ही अंतिम फैसला लेंगे। चुनाव समिति की बैठक इसी सप्ताह हो सकती है। गौरतलब है कि एक भाजपा सांसद ने मथुरा से चुनावी मैदान में उतारने की मांग की थी।

नई दिल्ली में बुधवार को ओमिक्रॉन के बढ़ते मामलों के बीच मीना बाजार जामा मस्जिद में भारी भीड़ देखी गई।

मनीष तिवारी ने फिर साधा चन्नी पर निशाना

नई दिल्ली ।

पंजाब विधानसभा चुनाव में कांग्रेस विपक्षी दलों से लड़ रही है या फिर आपस में ही संघर्ष चल रहा है? पार्टी नेताओं के रवैये से यह सवाल उठता है। कांग्रेस के पूर्व सांसद मनीष तिवारी ने एक बार फिर से प्रदेश के सीएम चरणजीत सिंह चन्नी पर हमला बोला है। मनीष तिवारी ने ट्वीट कर कहा, 'पंजाब को एक ऐसे मुख्यमंत्री की जरूरत है, जो राज्य की चुनौतियों का समाधान कर सके। कठिन निर्णय लेने की क्षमता हो।' इसके आगे तिवारी ने लिखा, 'पंजाब को गंभीर लोगों की जरूरत है, जिसकी राजनीति सोशल इंजीनियरिंग न हो। मनोरंजन और मुफ्त की चीजें बांटने पर ही ध्यान न हो।' मनीष तिवारी ने अपने ट्वीट में एक खबर का लिंक भी शेयर किया है, जिसके मुताबिक सीएम चन्नी ने इशारा किया है कि वह लोकप्रिय हैं और हाईकमान को सीएम कैंडिडेट घोषित करना चाहिए। आनंदपुर साहिब से लोकसभा सांसद मनीष तिवारी के इस ट्वीट ने एक बार फिर से कांग्रेस पार्टी में चल रही कलह को उजागर कर दिया है। इससे पहले भी वह कई बार पार्टी से इतर अपनी राय रखते रहे हैं। अब उनकी इस टिप्पणी ने एक बार फिर से राज्य में सीएम के चेहरे को लेकर कलह को सामने रखा है। बता दें कि कांग्रेस में सीएम के चेहरे को लेकर कलह मची हुई है। वहीं हाईकमान इस रार से निपटने के लिए फिलहाल सीएम के चेहरे को घोषित न करने को ही सही मान रहा है। पंजाब कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू कई बार कह चुके हैं कि राज्य में हाईकमान को सीएम घोषित करना चाहिए। उन्होंने तो तंज कसते हुए यह भी कहा था कि बिना दूल्हे के बारात कैसी? यही नहीं मंगलवार को तो उन्होंने यह भी कह दिया था कि पंजाब का सीएम हाईकमान तय नहीं करेगा बल्कि राज्य की जनता फैसला लेगी। उन्होंने कहा कि विधायक भी जनता ही चुनती है और वही सीएम का भी फैसला लेती है। साफ है कि कांग्रेस में सीएम पद को लेकर आंतरिक संघर्ष छिड़ा हुआ है।

गौरतलब है कि आम आदमी पार्टी ने ऐलान कर दिया है कि वह अपने सीएम फेस के बारे में अगले सप्ताह जानकारी देगी। खुद आप के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हम अगले सप्ताह अपनी पार्टी के सीएम फेस का ऐलान करेंगे।

घर बनाने के लिए पैसे मांगना दहेज: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली ।

सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम फैसले में कहा है कि घर के निर्माण के लिए ससुराल वालों से पैसे मांगना दहेज की मांग है. सुप्रीम कोर्ट ने इसे एक अपराध बताया है. साथ ही कोर्ट ने एक मामले में दोषियों की सजा को बहाल किया है.सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि घर के निर्माण के लिए पैसे की मांग करना एक 'दहेज की मांग' है, जो भारतीय दंड संहिता की धारा 304बी के तहत अपराध है. सुप्रीम कोर्ट ने दहेज हत्या के एक मामले में दोषी व्यक्ति और उसके पिता की सजा को बहाल करते हुए यह टिप्पणी की. चीफ जस्टिस एनवी रमना, जस्टिस एएस बोपन्ना और जस्टिस हिमा कोहली की बेंच ने कहा 'दहेज' शब्द को एक व्यापक अर्थ के रूप में वर्णित किया जाना चाहिए ताकि इसमें एक महिला से की गई किसी भी मांग को शामिल किया जा सके, चाहे संपत्ति के संबंध में हो या किसी भी तरह की मूल्यवान चीज के संबंध में. क्या है मामला मध्य प्रदेश की एक महिला ने दहेज उत्पीड़न से परेशान होकर आत्महत्या कर ली थी. महिला को घर बनाने के लिए पैसे देने के लिए ससुराल वाले परेशान कर रहे थे और उसपर दबाव बना रहे थे. महिला का परिवार घर के निर्माण के लिए पैसे देने में असमर्थ था. इस कारण महिला ने परेशान होकर आत्महत्या कर ली थी. निचली अदालत ने इस मामले में महिला के पति और ससुर को आईपीसी की धारा 304बी, 306 और 498ए के तहत दोषी ठहराया था. यह भी पाया गया था कि आरोपी मृतक महिला से घर के निर्माण के लिए लगातार पैसे की मांग कर रहे थे. महिला का परिवार पैसे नहीं दे पा रहा था.

यह सारा प्रकरण पंजाब के फिरोजपुर में पीएम नरेंद्र मोदी की सुरक्षा हुई चूक के बाद शुरू हुआ

स्मृति ईरानी ने प्रियंका गांधी को कहा प्राइवेट नागरिक

नई दिल्ली ।

कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा को एक प्राइवेट नागरिक बताते हुए केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने बुधवार को पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी पर हमला बोला है। यह सारा प्रकरण पंजाब के फिरोजपुर में पीएम नरेंद्र मोदी की सुरक्षा हुई चूक के बाद शुरू हुआ है। उन्होंने कहा, 'पंजाब के सीएम ने एक प्राइवेट नागरिक (प्रियंका गांधी वाड्रा) को पीएम के सुरक्षा प्रोटोकॉल और उल्लंघन के बारे में क्यों बताया स्मृति ईरानी ने कहा, 'मैं कांग्रेस आलाकमान को अपने प्रश्न दोहराता हूं। पंजाब में कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार की सक्रिय मिलीभगत से सुरक्षा उपायों का जानबूझकर उल्लंघन क्यों किया गया? कांग्रेस में किसने उल्लंघन का लाभ उठाने की कोशिश की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बुधवार को आरोप लगाया कि पंजाब के पुलिसकर्मियों द्वारा सूचना दिए जाने के बावजूद प्रदेश की कांग्रेस सरकार ने जानबूझकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सुरक्षा को नजरअंदाज किया। साथ ही भाजपा ने यह सवाल भी उठाया कि इस सुरक्षा चूक से कांग्रेस में किसने लाभ उठाने की कोशिश की। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने एक समाचार चैनल के 'स्टिंग' का हवाला देते हुए कांग्रेस पर आरोप लगाए। इस 'स्टिंग' में पंजाब पुलिस के कुछ अधिकारियों को यह कहते सुना जा सकता है कि उन्होंने अपने वरिष्ठ अधिकारियों का सूचित कर दिया था कि प्रदर्शनकारियों ने प्रधानमंत्री के काफिले के मार्ग को अवरुद्ध कर रखा है, लेकिन कथित तौर पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। स्मृति ने भाजपा मुख्यालय में मीडिया को संबोधित करते हुए कहा, ''सबसे परेशान करने वाली बात यह है कि पंजाब पुलिस के अधिकारी लगातार राज्य की कांग्रेस सरकार और प्रशासन को प्रधानमंत्री की सुरक्षा और उनके काफिले को खतरे के बारे में जानकारी देते रहे, लेकिन सरकार की तरफ से इस बाबत कोई हस्तक्षेप नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि पंजाब की कांग्रेस-नीत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री को उपयुक्त सुरक्षा मुहैया कराने के लिए कोई कदम नहीं उठाया गया, बल्कि उन्होंने जान-बूझकर सुरक्षा संबंधी खतरों को नजरअंदाज किया। उन्होंने पूछा कि प्रधानमंत्री की सुरक्षा में चूक से कांग्रेस में किसने फायदा उठाने की कोशिश की? स्मृति ईरानी ने कहा कि पंजाब के पुलिस महानिदेशक ने प्रधानमंत्री के मार्ग में किसी भी प्रकार की बाधा या व्यवधान नहीं होने की बात उनके सुरक्षा दल से कही थी। उन्होंने आश्चर्य जताया कि उन्होंने ऐसा क्यों किया? पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के उस बयान को लेकर भी ईरानी ने कांग्रेस पर निशाना साधा, जिसमें मुख्यमंत्री की ओर से कहा गया था कि उन्होंने प्रधानमंत्री की सुरक्षा मामले में पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा को ''ब्रीफ'' किया था।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में पिछले 24 घंटों में कोरोना के 27,561 नए मामले सामने आए

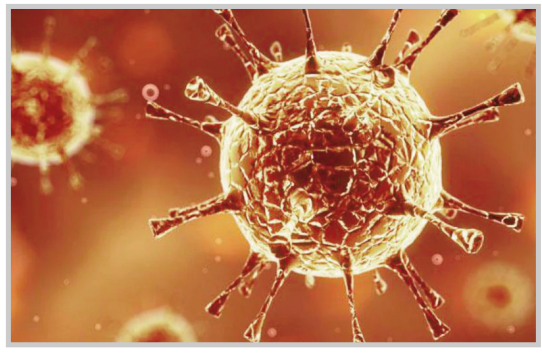

नई दिल्ली ।

दिल्ली में पिछले 24 घंटों में कोरोना के 27,561 नए मामले सामने आए जो कि 20 अप्रैल 2021 के बाद से एक दिन में आए सबसे ज्यादा मामले हैं। यहां कोरोना पॉजिटिविटी रेट बढ़कर 26.22% हो गया है। 5 मई को संक्रमण दर 26.36% थी। पिछले 24 घंटों में कोरोना से यहां 40 मरीजें की मौत भी हुई जो कि 10 जून 2021 के बाद से एक दिन में मौतों का सबसे बड़ा आंकड़ा है। बीते 24 घण्टे में आए 27,561 नए कोरोना मामले, करीब साढ़े 8 महीने में सबसे ज्यादा हैं , यह अब तक किसी भी एक दिन में आने वाले दूसरे सबसे ज्यादा केस हैं, इससे पहले 20 अप्रैल को 28,395 केस आए थे।

मुंबई में बुधवार को कोरोना के 16,420 नए मरीज सामने आए

मुंबई ।

मुंबई में बुधवार को पिछले 24 घंटों में कोरोना के 16,420 नए मरीज सामने आए हैं जो कि एक दिन पहले की तुलना में करीब 40 फीसदी ज्यादा हैं। मंगलवार को शहर में 11,647 नए मरीज मिले थे। यहां कोरोना संक्रमण की दर बढ़कर 24.38% हो गई है जो कि मंगलवार को 18.75% थी। पिछले 24 घंटों में यहां कोरोना से 7 मरीजों की मौत भी हुई। इस दौरान यहां 67,339 टेस्ट किए गए जो कि एक दिन पहले की तुलना में 9 फीसदी ज्यादा हैं। शहर में अब एक्टिव मरीजों की संख्या बढ़कर 102,282 हो गई है। बुधवार को सामने आए 16420 नए मरीजों में से 13793 यानी करीब 83 फीसदी बिना लक्षण वाले हैं। बुधवार को कुल 916 मरीज अस्पताल में भर्ती हुए जिनमें से 98 को ऑक्सीजन की जरूरत पड़ी।

केरल में ओमिक्रॉन वैरिएंट ने पकड़ी रफ्तार, 76 नए केस मिले

नई दिल्ली । केरल में कोरोना वायरस के साथ-साथ ओमिक्रॉन वैरिएंट के मामलों में भी तेजी से बढ़ोतरी देखने को मिली है। राज्य में बुधवार को ओमिक्रॉन वैरिएंट के 76 नए मामले सामने आए हैं। इसी के साथ राज्य में ओमिक्रॉन के कुल मरीजों की संख्या 421 पहुंच गई है। राज्य में ओमिक्रॉन का पहला केस 7 दिसंबर को सामने के साथ ही बुधवार को राज्य में अब सबसे ज्यादा केस सामने आ चुके हैं। 421 मामलों में से 290 कम जोखिम वाले देशों से आए थे। जबकि 85 हाई रिस्क वाले देशों और 43 केस स्थानीय स्तर पर रिपोर्ट किए गए थे। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने कहा कि पत्तनमतिट्टा के एक निजी नर्सिंग कॉलेज ओमिक्रॉन का क्लस्टर बन गया है। यहां के कई छात्र कोरोना संक्रमित मिले हैं। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री ने कहा छात्र हाल ही में विदेश से आए एक व्यक्ति से संक्रमित हुए हैं और इसके बाद सभी को क्वारंटाइन कर दिया गया है। पत्तनमतिट्टा में स्थिति चिंताजनक है। हमने प्रसार को रोकने के लिए सभी उपाय किए हैं। ओमिक्रॉन के मामलों में ऐसे में वृद्धि हुई जब राज्य में कोरोना वायरस के हाई केसलोड से जूझ रहा है। उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस के मामलों में उछाल के पीछे डेल्टा वैरिएंट हैं। कोरोना वायरस के बढ़ते मरीजों को देखते हुए सरकार ने राज्य में प्राथमिक उपचार केंद्र खोलने का फैसला किया है। राज्य में मंगलवार करीब तीन महीने बाद कोरोना पॉजिटिविटी रेट 14.18 फीसदी पहुंच गई है। वहीं, कोरोना वायरस से होने वाली मौत का आंकड़ा भी 50 हजार को पार कर गया है। कोरोना से जान गंवाने वालों को लेकर सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद 19341 मौतों को आधिकारिक सूची में जोड़ा गया है। राज्य में अभी 15000 से अधिक मौतों को लेकर परिजनों ने समिति के समक्ष अपील की है जो कि अभी तक लंबित है।

प्रधानमंत्री की सुरक्षा में हुई चूक संयोग नहीं बल्कि प्रयोग था और यह अचानक नहीं बल्कि प्रायोजित था : आदेश गुप्ता

नई दिल्ली । दिल्ली प्रदेश भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने पंजाब में हुई प्रधानमंत्री की सुरक्षा में चूक को सुनियोजित और साजिश बताते हुए कांग्रेस पर आरोप लगाया कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सुरक्षा के साथ जो खिलवाड़ 5 जनवरी को किया गया, प्रदर्शनकारियों द्वारा वहां सड़क रोकी गयी लेकिन कांग्रेस शासित पंजाब पुलिस उसमें मूक दर्शक बनकर खड़ी रही यह सिर्फ इसलिए क्योंकि उनको चन्नी सरकार द्वारा कोई कार्रवाई न करने के निर्देश दिए गए थे। इसके लिए चन्नी सरकार को और पूरी कांग्रेस पार्टी को देश से माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यह सुरक्षा में हुई चूक संयोग नहीं बल्कि प्रयोग था और यह अचानक नहीं बल्कि प्रायोजित था। वहां के स्थानीय एसएचओ ने स्पष्ट कहा था कि प्रधानमंत्री के रूट और उसमें होने वाली रुकावट के बारे में और होने वाले प्रदर्शन के बारे में हमने अपने बड़े अधिकारियों को पहले से ही दी थी लेकिन सभी बड़े अधिकारियों ने उसे नजरअंदाज कर दिया। आज हुए एक संवाददाता सम्मेलन में आदेश गुप्ता ने कहा कि जब बड़े अधिकारियों को जानकारी पहले से दी गई थी तो उस पर कार्रवाई क्यों नहीं की गई। यह पंजाब सरकार की लापरवाही नहीं बल्कि मिलीभगत का नतीजा है। क्योंकि यह भी देखा गया कि जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का काफिला रुका हुआ था तो उस समय प्रदर्शनकारियों को हटाने की जगह पंजाब पुलिस आपस में बात करती हुई और चाय पीती नजर आई। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जिस रूट से जाने वाले हैं उसकी जानकारी पहले से ही आलाकमान को दे दी गई थी। साथ ही नियम के मुताबिक प्रधानमंत्री के उस रूट को पूरी तरह से सील कर दिया जाता है जहां से उनका काफिला गुजरता है। ऐसे में फ्लाईओवर के नीचे शराब के ठेको का खुला होना और प्रदर्शनकारियों का फ्लाईओवर पर आना पंजाब सरकार और पुलिस की लापरवाही को दर्शाता है। आज हुए प्रेस वार्ता में प्रदेश उपाध्यक्ष राजन तिवारी, प्रदेश प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर एवं हरीश खुराना भी मौजूद थे। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि आम तौर पर जब किसी राज्य में प्रधानमंत्री का दौरा होता है तो उस राज्य के मुख्यमंत्री और प्रशासनिक आला अधिकारी प्रधानमंत्री को रिसीव करने के लिए आते हैं लेकिन इन सब का एक ही साथ गायब होना गम्भीर प्रश्नों को जन्म देता है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

'मकर-संक्रांति' 2022 बाघ पर सवार होकर आएगी संक्रांति

कैसे करें स्नान-दान, पुण्यकाल एवं राशिनुसार फल

कैसा रहेगा वर्ष 2022 में मकर संक्रांति का पर्व

ज्योतिष शास्त्र में गोचर का बहुत महत्व होता है। नवग्रहों का गोचर जातक के फलित में अहम् भूमिका रखता है। वहीं ग्रह-गोचर के आधार पर कई मुहूर्तों व ज्योतिषीय गणनाओं का निर्धारण भी होता है जैसे त्रिबल शुद्धि, साढ़ेसाती व ढैय्या, मकर संक्रांति आदि।

ज्योतिष शास्त्रानुसार नवग्रहों में सूर्य को राजा माना गया है। सूर्य का गोचर कई ज्योतिषीय गणनाओं व मुहूर्तों का निर्धारण करता है। सूर्य के गोचर को 'संक्रांति' कहा जाता है।

संक्रांति प्रतिमाह आती है क्योंकि सूर्य का गोचर प्रतिमाह होता है। सूर्य के धनु व मीन राशि में गोचर से 'खरमास (मलमास)' का प्रारंभ होता है। इसी प्रकार जब सूर्य मकर राशि में गोचर करते हैं तब इसे 'मकर-संक्रांति' कहा जाता है।

'मकर-संक्रांति' हिन्दू धर्मावलंबियों के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण पर्व है। सामान्यत: यह पर्व 14 जनवरी को मनाया जाता है क्योंकि अधिकतर इसी दिन सूर्य का गोचर धनु राशि से मकर राशि में होता है। आंग्ल नववर्ष में 'मकर-संक्रांति' का पर्व 14 जनवरी 2022 को मनाया जाएगा।

इस दिन नवग्रहों के राजा सूर्य अपनी राशि परिवर्तन कर रात्रि 8:58 मि. पर 'मकर' राशि में प्रवेश करेंगे। सूर्य के मकर राशि में प्रवेश करते ही देशभर में 'मकर-संक्रांति' के पर्व का शुभारंभ हो जाएगा।

'मकर-संक्रांति' का पुण्यकाल

वर्ष 2022 में 'मकर-संक्रांति' का पुण्यकाल दिनांक 15 जनवरी 2022 को अपराह्न 12 बजकर 58 मि. तक रहेगा।

'संक्रांति' का वाहन

वर्ष 2022 में संक्रांति का वाहन सिंह (व्याघ) एवं उपवाहन अश्व रहेगा। इस वर्ष संक्रांति का आगमन पीत वस्त्र व पर्ण कंचुकी धारण किए कुमारावस्था में कुमकुम लेपन कर गदा आयुध (शस्त्र) लिए रजतपात्र में पायस भक्षण करते हुए, कंकण धारण किए हुए दक्षिण दिशा की ओर जाते हुए नैऋत्य दिशा को दृष्टिगत किए हो रहा है।

'संक्रांति' का फलित

देशभर में सफेद वस्तुओं जैसे चांदी, चावल, दूध, शकर आदि के दाम बढ़ेंगे। राजा के प्रति विरोध की भावना बलवती होती। ब्राह्मण वर्ग का सम्मान बढ़ेगा। संन्यासियों व किसानों को कष्ट होगा। पश्चिम देशों से रिश्तों में कटुता आएगी। पड़ोसी देशों से रिश्तों में कटुता बढ़ेगी। महामारी के प्रसार में कमी

आएगी।

'मकर-संक्रांति' का राशि अनुसार फलित

1. मेष- ईष्ट सिद्धि
2. वृषभ- धर्म लाभ
3. मिथुन- शारीरिक कष्ट
4. कर्क- सम्मान में वृद्धि
5. सिंह- भय व चिंता
6. कन्या- विद्या लाभ, धन वृद्धि
7. तुला- कलह व मानसिक चिंता
8. वृश्चिक- धनागम व सुख-शांति
9. धनु- धन लाभ
10. मकर- स्थिर लक्ष्मी की प्राप्ति
11. कुंभ- हानि
12. मीन- लाभ

स्नान व दान

'मकर-संक्रांति' के दिन श्रद्धालुगणों को पवित्र नदी में कुटे तिल का उबटन लगाकर स्नान करना एवं तिल से बनी वस्तुओं, कंबल एवं वस्त्रादि का दान करना श्रेयस्कर रहेगा।

शुक्र 14 जनवरी 2022 को होगा उदित, 12 राशियां होंगी प्रभावित

4 जनवरी को धनु राशि में शुक्र अस्त हो गए थे। अब शुक्र 14 जनवरी 2022 की सुबह 5 बजकर 29 मिनट पर उदय होंगे। शुक्र धनु राशि में वक्री चल रहा है और अब वह 30 जनवरी से मार्गी होगा। आओ जानते हैं कि शुक्र के उदय होने पर क्या होगा 12 राशियों का हाल। उल्लेखनीय है कि बृहस्पति की ही भांति शुक्र के अस्त होने पर विवाह आदि मांगलिक कार्यक्रम संपन्न नहीं किए जाते। उदय होने के बाद ही किए जाते हैं।

मेष : शुक्र आपकी राशि के नवम भाव में उदित होंगे। भाग्य में वृद्धि होगी और यात्रा के योग बनेंगे। दांपत्य जीवन में सुखमय रहेगा। धन में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रमोशन और स्थानांतरण के योग भी बन रहे हैं। व्यपार अच्छा रहेगा।

वृषभ : शुक्र आपकी राशि के आठवें भाव में उदय होगा तो ऐसे में आपको सजग रहने की जरूरत है। आर्थिक नुकसान हो सकता है। गलत कार्यों से दूर रहें। पत्नि की सेहत का ध्यान रखें। ससुराल पक्ष से लाभ होगा।

मिथुन : आपकी राशि के सप्तम भाव में उदय होगा जो आपके दांपत्य जीवन को प्रभावित करेगा। व्यापार के लिए यह समय अनुकूल है। लंबी यात्रा के योग बनेंगे।

कर्क : शुक्र आपकी राशि के छठे भाव में उदय होगा। ऐसे में आपके अटके हुए कार्य पूर्ण होंगे। नौकरी में सकारात्मक परिणाम देखने को मिलेंगे। हालांकि परिवार के सदस्यों से विवाद हो सकता है। जीवनसाथी की सेहत का ध्यान रखना होगा।

सिंह : शुक्र आपकी राशि के पंचम भाव में उदय होंगे। ऐसे में रिश्तों के बीच की दूरियां कम होगी। शिक्षा और करियर में लाभ मिलेगा। सुख और सुविधाओं में बढ़ोतरी होगी। नौकरी बदलने की संभावना है। आर्थिक स्थिति सही रहेगी।

कन्या : शुक्र आपकी राशि के चौथे भाव में उदय होगा। भौतिक सुख सुविधाओं में बढ़ोतरी होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। भाग्य का साथ मिलेगा। भूमि, भवन या वाहन खरीद सकते हैं।

तुला : शुक्र आपकी राशि के तीसरे भाव में उदय होगा। आत्मविश?वास बढ़ेगा। सभी से संबंध मजबूत होंगे। भाई बहनों से सहयोग मिलेगा। नौकरी या व्यापार में आप आगे बढ़ेंगे। हालांकि आपको अपनी सेहत का ध्यान रखना होगा।

वृश्चिक : शुक्र आपकी राशि के दूरे भाव में उदय होगा। ऐसे में आप व्यापार में सफलता मिलेगी। नौकरी में भी शुभ संकेत मिलेंगे। जीवनसाथी का साथ भरपूर मिलेगा। हालांकि आपको जीवनसाथी की सेहत का भी ध्यान रखना होगा। मांगलिक कार्यों में जाने का योग बनेगा।

धनु : शुक्र आपकी राशि के लग्न भाव में उदय होगा। नौकरी में प्रमोशन के योग बनेंगे। आपका व्यक्तित्व आकर्षक बनेगा। दांपत्य जीवन में मधुरता बढ़ेगी। खानपान में परहेज करें अन्यथा कोई रोग हो सकता है।

मकर : शुक्र आपकी राशि के बारहवें भाव में उदय होने वाला है। इसे धन और सेहत संबंधी परेशानी खड़ी हो सकती है। नौकरी और व्यापार में चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। आप के खर्च में बेतहाशा बढ़ोतरी होगी। हालांकि छात्रों के लिए यह समय अनुकूल है। लंबी यात्रा के योग भी बन रहे हैं।

कुंभ : शुक्र आपकी राशि के एकादश भाव में उदय होगा। ऐसे में आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। नौकरी में पदोन्नति और व्यपार में उन्नति के योग बनेंगे। परिवार की ओर से सहयोग मिलेगा। मान सम्मान में वृद्धि होगी।

मीन : शुक्र आपकी राशि के दशम भाव में उदय होगा। ऐसे में आपको कार्यक्षेत्र में उतार-चढ़ाव दिखने को मिल सकते हैं। आपको अपने कार्य को लेकर गंभीर रहना होगा। सभी से अच्छा व्यवहार रखना होगा अन्यथा परेशानी में पड़ सकते हैं। भाई बहनों का सहयोग मिलेगा। नौकरी की तलाश पूरी होगी।

लोहड़ी पर क्यों सुनी जाती है दुल्ला भट्टी की कहानी? पूजा विधि और महत्व

प्रत्येक वर्ष जनवरी माह में साल का सबसे पहला पर्व लोहड़ी का मनाया जाता है। हिंदू पंचांग के अनुसार पौष के अंतिम दिन सूर्यास्त के बाद लोहड़ी का त्यौहार मनाया जाता है। हर साल यह त्यौहार मकर संक्रांति की पहली रात को मनाया जाता है। इस बार 13 जनवरी को लोहड़ी का त्योहार मनाया जाएगा। यह पर्व पूरे देश में, मुख्य रूप से पंजाब और हरियाणा में बड़ी धूम-धाम से मनया जाता है। त्योहार पर हर जगह रौनक देखने को मिलती है। यह त्यौहार सर्दियों की समाप्ति का प्रतीक है। लोहड़ी का त्यौहार किसानों के लिए भी बहुत महत्व रखता है। नई फसल बुआई और उसकी कटाई की खुशी में लोहड़ी पर्व का जश?न मनाया जाता है। इस अवसर पर पंजाब में नई फसल की पूजा करने की परंपरा है।

कैसे मनाया जाता है लोहड़ी पर्व?

लोहड़ी का त्यौहार लोग अपने परिवार, रिश्तेदारों और दोस्तों के साथ बड़ी धूम-धाम से मनाते हैं। लोहड़ी को रात में खुले आसमान के नीचे आग जलाई जाती है।और लोग इसके इर्द-गिर्द घुमते हैं। इस दिन आग में तिल, गुड़, गजक, रेवड़ी और मूंगफली चढ़ाने का रिवाज होता है। इस दिन लोग आग के चारों तरफचक्कर काटते हुए लोकगीत गाते हैं और डांस करते हैं। जिन लोगों की नई शादी हुई होती है या घर में बच्चे का जन्म हुआ हो तो पहली लोहड़ी बहुत खास ढंग से मनाई जाती है। इस दिन शादीशुदा बेटियों को प्रेम के साथ घर बुलाकर भोजन कराया जाता है और कपड़े व उपहार भेंट किए जाते हैं।

दुल्ला भट्टी की कहानी सुनने का महत्व

लोहड़ी पर दुल्ला भट्टी की कहानी सुनने का खास महत्व होता है। मान्यता के अनुसार मुगलकाल के दौरान पंजाब में संदलबार नाम की जगह में एक ठेकेदार गरीब घर की लड़कियों और महिलाओं को पैसों के लालच में अमीरों को बेच दिया करता था। संदलबार में सुंदरदास नाम का एक किसान रहा करता था। उसकी दो बेटियां सुंदरी और मुंदरी थीं। ठेकेदार उसे धमाकता कि वो अपनी बेटियों की शादी उससे करा दें। तब सुंदरदास ने जब यह बात दुल्ला भट्टी को बताई। दुल्ला भट्टी को पंजाब का नायक कहा जाता था। किसान की बात सुनकर दुल्ला भट्टी ने उसकी लड़कियों को बचाकर उनकी शादी वहां करवा दी जहाँ उनका पिता चाहता था। तभी से हर साल लोहड़ी के पर्व पर दुल्ला भट्टी की याद में उनकी कहानी सुनाने की पंरापरा चली आ रही है।

मोटिवेशनल: जो जितना जमीन से जुड़ेगा, उतना ही ऊपर उड़ेगा, पतंग से सीखें जीवन कैसे जिएं

मकर संक्रांति का पर्व 'पतंग महोत्सव' के नाम से भी जाना जाता है। पतंग उड़ाने के पीछे मुख्य कारण है कुछ घंटे सूर्य के प्रकाश में बिताना। यह समय सर्दी का होता है और इस मौसम में सुबह का सूर्य प्रकाश शरीर के लिए स्वास्थवर्द्धक और त्वचा व हड्डियों के लिए अत्यंत लाभदायक होता है। अत: उत्सव के साथ ही सेहत का भी लाभ मिलता है। हालांकि हम आपको यह भी बताना चाहते हैं कि पतंग से किस तरह जीवन जीने के गुर सीख सकते हैं।

1. ऊंची उड़ान : आसमां छूने की तमन्ना किसे नहीं रहती? जीवन में ऊंचा उठना आसान भी है और कठिन भी। कई लोग जीवन में ऊंचे तो उठ जाते हैं परंतु वहां जाकर वह घमंड में फूल जाते हैं, अकड़ जाते हैं और अपनों को या जिनकी वजह से ऊंचे उठे उनको हिन दृष?टि से देखते हैं, फिर जब उनके जीवन में डाउनफॉल आता है उनका सामने उन्हीं अपनों से होता है, तब वे पछताते हैं। इसलिए यह ध्यान रखें की जीवन में कितना ही ऊंचा उड़े लेकिन जमीन से जरूर जुड़े रहें अन्यथा जब जिंदगी की पतंग कटती है तो लुटने वाले छीना छपटी करके फाड़ देते हैं या फिर वह पतंग किसी ओर के अधीन हो जाती है।
2. चुनौती : आसमान में जब पतंग उड़ी है तब उसे अन्य पतंगों से चुनौती का सामना करना पड़ता है। कई बार किसी पतंग से बचना होता है और कई बार किसी पतंग को काटना होता है। आसामान में देर तक बने रहने के लिए संघर्ष करना पड़ना न केवल किसी दूसरी पतंग से बल्कि विपरीत चल रही हवाओं से भी। जीवन भी इसी तरह के है। हमें कई लोग चुनौ?ती देते हैं और कई बार हम विपरीत परिस्थिति से घिर जाते हैं। ऐसे में समझदारी से काम लेकर हमें खुद को ऊंचाई पर बनाए रखना होता है।
3. संतुलन : यदि पतंग के जोते सही बंधे हो और उचित तरीके और स्थान से पतंग उड़ाई जाए जो पतंग आसमान में ऊंची जाकर संतुलन बना लेती है। हमने देखा है कि कुछ लोगों की पतंग हवा के साथ इस तरह का संतुलन बना लेती है कि उसकी डोर को कहीं भी बांध कर चले जाओ तो फिर भी वह आसमान में स्थिर रहती है। यदि आपके जीवन में पतरंग की तरह संतुलन है तो विपरीत परिस्थिति आपका कुछ भी नहीं बिगाड़ सकती है। यह संतुल आता है आपके कार्य करने के तरीके और कार्य से। जीवन में पतंग के जोते अर्थात हमारे रिश्ते हैं और यह प्रेम के धागे से बंधे होते हैं। इसी से जीवन में संतुलन आता है।
4. हार नहीं मानना : ऐसा भी होता है कि कई लोग जब शुरुआत में पतंग उड़ाना प्रारंभ करते हैं तब वे हवा की दिशा भांप नहीं पाते हैं और उनकी पतंग ऊंचे आसामान में नहीं उड़ पाती है। कई बार की असफलता के बाद आखिरकार वे पतंग उड़ाना सीख जाते हैं। हमने यह भी देखा है कि कई ऐसे पतंगबाज होते हैं जिनकी 2-5 बार पतंग कटने के बाद भी वे दूसरी पतंग लाकर आखिकार अपना मुकाम हासिल कर ही लेते हैं। और फिर उन्हें अनुभव इतना हो जाता है कि बाद में उनकी पतंग को कोई भी काटने से पहले 10 बार सोचता है।
5. आसमान में उड़ान है आसान जमे रहना मुश्किल : आपने देखा होगा कि पतंग को सैंकड़ों फुट ऊंचे आसमान में ले जाने के लिए किसी बड़े तामझाम की जरूरत नहीं होती है, बल्कि एक पतली सी डोर के सहारे वह ऊंचाइयों पर पहुंच जाती है। यदि डोर कच्ची हो तो पतंग टूटकर नीचे गिर जाती है परंतु यदि डोर पक्की हो तो वह आगे बढ़ जाती है। इसी तरह यदि हममें पक्का विश्वास है तो हम जीवन में आगे बढ़ेंगे और कच्चा विश्वास है तो गिर पड़ेंगे। आसमान में उड़ना आसान है लेकिन देर तक जमे रहना मुश्किल है। यह पक्के विश्वास की डोर के सहारे ही संभव होता है।

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180
या फोटा, वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों और अन्य शहर, ग्राम में पत्रकारों की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भ्रष्टाचार प्रतियोगिता में भाग लो ईनाम जीतो

&

भ्रष्टाचार की जानकारी देने पर ईनाम जीतो

krantisamay@gmail.com

9879141480

fight against corruption india

भारत में भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई